सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 282, नई दिल्ली । शनिवार, 21 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 बदरपुर सीट पर माथापच्ची करने में जुटी बीजेपी

06 डिब्बाबंद भोजन से सेहत को खतरा

08 सुपरटेक इकोविलेज 1 में नशे में धुत युवकों का उत्पात....

डीएनडी फ्लाईवे पर टोल खत्म, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को दी मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने डीएनडी फ्लाई ओवर पर टोल लगाने की याचिका को खारिज कर दिया है। अब लोगों को डीएनडी पर टोल नहीं देना पड़ेगा। यह फैसला फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर जनहित याचिका पर आया है। आगे विस्तार से पढ़िए आखिर सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के साथ-साथ और क्या कुछ कहा है ?

इशिका मुख्य रिपोर्टर

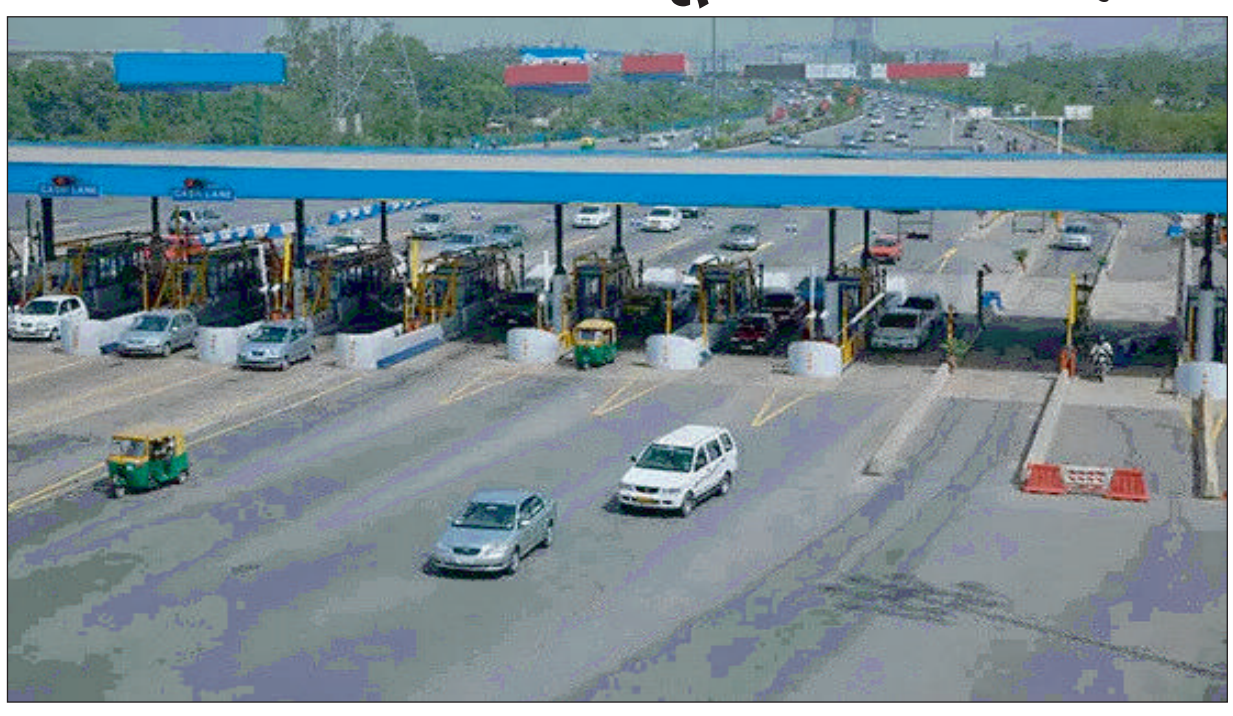

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे पर टोल वसूली को समाप्त करने का आदेश दिया गया था। यह फैसला लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो इस महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग का रोजाना उपयोग करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 26 अक्टूबर 2016 के फैसले को सही ठहराया। हाईकोर्ट ने कहा था कि डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूली अनुचित है और इसे तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए। यह निर्णय फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (FONRWA) द्वारा दायर जनहित याचिका के आधार पर दिया गया।

डीएनडी फ्लाईवे का महत्व

डीएनडी फ्लाईवे, दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग है, जो यमुना नदी पर बना है। यह सड़क परियोजना भारत में पहली ऐसी परियोजना थी, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ETC) लेन की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

टोल हटने के बाद का प्रभाव

टोल वसूली बंद होने से नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (NTBCL) की आय में भारी गिरावट आई है। कंपनी अब विज्ञापनों और अन्य वैकल्पिक साधनों के जरिए राजस्व जुटाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, इस निर्णय से यात्रियों को समय और धन की बड़ी बचत हो रही है।

सार्वजनिक प्रतिक्रिया

इस फैसले का यात्रियों ने स्वागत किया है। टोल वसूली खत्म होने के बाद, दिल्ली और नोएडा के बीच यात्रा और भी सुगम हो गई है। लोगों का कहना है कि इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि जाम की समस्या भी कम हुई है।

भविष्य की चुनौतियां

अब सबसे बड़ी चुनौती डीएनडी फ्लाईवे के रखरखाव और संचालन के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की है। सरकार और संबंधित प्राधिकरणों को इस मार्ग की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए वैकल्पिक वित्तीय स्रोतों की व्यवस्था करनी होगी।

डीएनडी फ्लाईवे पर टोल खत्म होना दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए बड़ी राहत है। यह फैसला न केवल यात्रा को आसान बनाएगा बल्कि क्षेत्र के विकास में भी मदद करेगा।

गैस चैंबर बनी राजधानी : कोहरा, धुंध, प्रदूषण और सर्दी... दिल्ली पर चौतरफा मार, आज भी यलो अलर्ट, औसत AQI 450

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। आसमान में स्मॉग की चादर लिपटी है। ऐसे में यहां सांस लेना दूभर हो गया है। सबसे अधिक परेशानी सांस के मरीजों के साथ बुजुर्गों व बच्चों को हो रही है। राजधानी में आज भी कोहरे की चादर है। औसत AQI 450 दर्ज किया गया है।

नई दिल्ली। राजधानी में मौसमी दिशाओं में बदलाव आने के साथ ही कोहरे व स्मॉग की मार लोगों पर पड़ रही है। मौसम विभाग ने तीन दिन के लिए घने से घना कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पहाड़ों से आने वाली हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। सुबह-शाम के साथ दोपहर में भी ठंड़ी हवाएं कंपकपी बढ़ा रही हैं। आज औसत AQI 450 दर्ज किया गया है। राजधानी में आज भी छाई है कोहरे की चादर।

गुरुवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम है। जबकि सबसे ठंडा इलाका नरेला रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। उधर, सुबह साढ़े सात बजे तक सफदरजंग एयरपोर्ट में दृश्यता 250 मीटर दर्ज की गई। जबकि पालम में 600 मीटर दृश्यता रही। सुबह कोहरे व स्मॉग का असर देखने को मिला। इससे सबसे अधिक परेशानी वाहन चालकों को हुई।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को कुछ स्थानों पर सुबह स्मॉग और घने से घना कोहरा रहने की संभावना है। शाम व रात में स्मॉग-धुंध का अनुमान है। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 और छह डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

गुरुवार को लोगों को अच्छी-खासी ठंड का अहसास हुआ। दिन के समय कुछ देर के लिए सूरज के दर्शन हुए, लेकिन शाम ढ़लने से पहले ही कुहासा सा छा गया। वहीं, हवा की गति कम होने से कोहरे के साथ लोगों को स्मॉग से राहत नहीं मिली। हालांकि, शाम होते ही ठंडी हवाओं ने ठंडक का अहसास कराया। ऐसे में दिन का तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक के साथ 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नरेला रहा सबसे ठंडा इलाका

नरेला में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, पूसा में 5.1, आया नगर में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गैस चैंबर बनी राजधानी, स्मॉग की चादर में लिपटी

राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। आसमान में स्मॉग की चादर लिपटी है। ऐसे में यहां सांस लेना दूभर हो गया है। सबसे अधिक परेशानी सांस के मरीजों के साथ बुजुर्गों व बच्चों को हो रही है। हवा की गति कम होने के साथ ही वायु गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी में दाखिल हो गई है। इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 के करीब पहुंच गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, गुरुवार को एक्यूआई 451 दर्ज किया गया। इसमें बुधवार के मुकाबले 6 अंकों की वृद्धि हुई है, जोकि अति गंभीर श्रेणी है। सीपीसीबी का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को भी कमोबेश यही स्थिति रहने की आशंका है। रात के समय स्मॉग छाया रहेगा। इससे हवा गंभीर श्रेणी में बनी रहेगी।

गुरुवार को सुबह से ही स्मॉग छाया रहा। दिन में हल्की धूप निकली, लेकिन आसमान में स्मॉग की मोटी चादर लिपटी रही। इससे धूप पूरी तरह से नहीं खिली। दिन में ही शाम जैसा आसमान हो गया। वजीरपुर, जहांगीरपुरी, आनंद विहार सहित 29 इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही। साथ ही, चांदनी चौक व द्वारका सहित केवल चार ही इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में रही। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, हवा उत्तर-पूर्व दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रही। हालांकि, शाम को हवा की चाल चार किलोमीटर प्रतिघंटा रही। इससे प्रदूषक कण और संघन हो गए। ऐसे में लोगों को स्मॉग का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषकों के फैलाव के लिए मौसम संबंधी स्थितियां बेहद प्रतिकूल होने से स्थिति बिगड़ रही है।

परिवहन से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी सबसे अधिक

आईआईटीएम के मुताबिक, शुक्रवार को हवा पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा 4 किलोमीटर प्रतिघंटे से चलेगी। वहीं, शाम को हवा पश्चिम दिशा से चलेगी। शनिवार को भी हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चल सकती है। डिसिजन स्पोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के मुताबिक हवा में ट्रांसपोर्ट से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 13.182 फीसदी, कूड़ा जलने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 1.238 फीसदी रही। वहीं, वेंटिलेशन इंडेक्स 3800 घनमीटर प्रति सेकेंड रहा। 24 घंटे के भीतर वेंटिलेशन इंडेक्स 3000 घनमीटर प्रति सेकेंड रहने का अनुमान है। साथ ही मिक्सिंग डेप्थ 980 मीटर दर्ज की गई।

एनसीआर में प्रदूषित शहरों का एक्यूआई

दिल्ली-------451
गाजियाबाद----386
नोएडा-------367
गुरुग्राम-------355
ग्रेटर नोएडा----322
फरीदाबाद------279
(नोटः आंकड़े सीपीसीबी के मुताबिक)

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में अधिकतम एक्यूआई दर्ज

बवाना----------484
नेहरू नगर-------480
द्वारका सेक्टर-आठ----479
आनंद विहार------472
अशोक विहार-----471
बुराड़ी----------470
(नोट : सभी आंकड़े सीपीसीबी के मुताबिक)

दिल्ली की सड़कों और मेट्रो स्टेशनों पर इन चार भाषाओं में लिखी होगी जानकारी, सरकार ने जारी किया आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के सड़क संकेतक दिशा-निर्देशक बोर्ड और मेट्रो स्टेशन अब हिंदी अंग्रेजी पंजाबी और उर्दू भाषाओं में जानकारियां प्रदर्शित करेंगे। यह कदम भाषाई विविधता को बढ़ावा देने और दिल्ली की आधिकारिक भाषाओं को उचित स्थान देने के उद्देश्य से उठाया गया है। कला संस्कृति और भाषा विभाग ने चार नवंबर को एक आदेश में सभी विभागों नागरिक निकायों और स्वायत्त प्राधिकरणों को यह आदेश दिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के सड़क संकेतक, दिशा-निर्देशक बोर्ड और यहां तक कि मेट्रो स्टेशनों पर लगे संकेतकों पर जल्द ही हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू भाषा में जानकारियां लिखी जाएंगी। इस कदम का उद्देश्य भाषाई विविधता को बढ़ावा देना और दिल्ली की आधिकारिक भाषाओं को प्रदर्शित करना है।

दिल्ली सरकार के तहत कार्यरत अधिकारियों को भी अपने कार्यालयों के बाहर बोर्ड पर अपना नाम इन चार भाषाओं में प्रदर्शित करना होगा। यह कदम 'दिल्ली आधिकारिक भाषा अधिनियम, 2000' के अनुरूप है, जो हिंदी को पहली आधिकारिक भाषा और उर्दू तथा पंजाबी को दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देता है।

अभी केवल हिंदी और अंग्रेजी में लिखी होती है जानकारी

वर्तमान में दिल्ली में अधिकांश साइनबोर्ड और नेमप्लेट पर केवल हिंदी और अंग्रेजी में ही जानकारी लिखी होती है। कला, संस्कृति और भाषा विभाग ने चार नवंबर को एक आदेश में सभी विभागों, नागरिक निकायों और स्वायत्त प्राधिकरणों को उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना के निर्देशों का पालन करते हुए अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सभी भाषाओं का एक समान आकार होना चाहिए

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बोर्ड और संकेतकों पर भाषा का क्रम हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू होना चाहिए तथा सभी के लिए शब्दों का आकार समान होना चाहिए। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि यह निर्देश मेट्रो स्टेशनों, अस्पतालों, सार्वजनिक उद्यानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लागू होगा। राष्ट्रीय राजधानी में करीब 1400 किलोमीटर सड़कों की देख-रेख का जिम्मा संभालने वाला लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) संकेतकों पर काम करना प्रारंभ करेगा।

सार्वजनिक संकेतकों पर हिंदी को प्राथमिकता उपराज्यपाल का निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के 2011 के आदेश से भी मेल खाता है, जिसमें 'ए क्षेत्र' में आने वाले राज्यों दिल्ली, बिहार और हरियाणा आदि को स्थानीय स्तर पर अन्य भाषाओं के क्रम को तय करते हुए सार्वजनिक संकेतकों पर हिंदी को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया था। वहीं, इस फैसले की दिल्ली उर्दू अकादमी के अध्यक्ष शहपार रसूल ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा, रदिल्ली राजभाषा अधिनियम 2000' के आधिकारिक क्रियान्वयन की खबर सुनकर हमें खुशी हुई है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी दिल्ली की सड़कों पर लगे साइन बोर्ड में उर्दू में जानकारी लिखी गई है।

महाकुंभ में आपको भी जाना है...तो पढ़ लें ये खबर, परिवहन निगम शुरू करने जा रहा स्पेशल बस सेवा

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ के लिए परिवहन निगम मथुरा से स्पेशल बस सेवा शुरू करने जा रहा है। ये बस सेवा एक सप्ताह के अंदर शुरू हो जाएगी।

आगरा। प्रयागराज में आठ जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ की तैयारियों में परिवहन निगम के अधिकारी जुटे हैं। महाकुंभ की शुरुआत से पहले ही यात्रियों की संख्या को देखते हुए प्रयागराज के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू करने का निर्णय निगम ने लिया है। एक सप्ताह के अंदर बस सेवा शुरू हो जाएगी।

जनवरी से मार्च तक प्रयागराज में महाकुंभ लगेगा। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु जाएंगे। मथुरा से भी बड़ी संख्या में लोग महाकुंभ स्नान के लिए जाएंगे। महाकुंभ से पहले प्रयागराज के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। एक सप्ताह के अंदर शुरू होने वाली इस सेवा की बस रोजाना शाम सात बजे नए बस स्टैंड से प्रयागराज के लिए जाएगी। यात्रियों की संख्या बढ़ी तो बस की संख्या भी बढ़ा दी जाएगी। यह सेवा कुंभ मेला खत्म होने के बाद भी जारी रहेगी।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा ने बताया कि महाकुंभ के लिए तो बसों का संचालन होगा, लेकिन इससे पहले एक बस प्रतिदिन प्रयागराज के लिए जाएगी। यह बस सेवा एक सप्ताह के अंदर शुरू हो जाएगी और महाकुंभ खत्म होने के बाद भी निरंतर जारी रहेगी। अभी तक प्रयागराज के लिए मथुरा डिपो की कोई बस सेवा नहीं है। जबकि प्रयागराज के लिए मथुरा से काफी यात्री जाते हैं। अन्य डिपो की बसों से मथुरा के यात्रियों को प्रयागराज जाना पड़ता है।

एआरएम बने महाकुंभ के मेला अधिकारी

परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा को महाकुंभ का मेला अधिकारी बनाया है। एआरएम ने बताया कि महाकुंभ में वह आगरा रीजन की बसों का संचालन देखेंगे। किसी भी यात्री को परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। वह एक दो दिन में प्रयागराज के लिए रवाना हो जाएंगे।

शादी से पहले मंगेतर के साथ देखें इन हसीन जगहों का नजारा, बिता सकेंगे क्वालिटी टाइम

सगाई या रोका से शादी के बीच के दिनों में आप अपने पार्टनर के साथ समय बिता सकते हैं। वहीं अगर शादी में कुछ समय बचा हो, तो आप पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। जिससे आप दोनों एक-दूसरे को समझ सकेंगे।

अगर आपकी भी कुछ ही महीनों में शादी होने वाली है, तो आप जीवनसाथी के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले उनके बारे में जान लें। सगाई या रोका से शादी के बीच के दिनों में आप अपने पार्टनर के साथ समय बिता सकते हैं। जिससे आप दोनों एक-दूसरे को समझ सकेंगे। हालांकि शादी तय होने के बाद अधिकतर लोग पार्टनर के साथ फोन कॉल पर बात करते हैं और उनकी पसंद-नापसंद जानते हैं। वहीं पार्टनर के रहन-सहन और बर्ताव को समझने के लिए आप उनके साथ कुछ वक्त बिता सकते हैं। वहीं अगर शादी में कुछ समय बचा हो, तो आप पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

इस ट्रिप पर आप अपने मंगेतर को समझ सकेंगे। आप दोनों के दोस्तों, परिवार और भाई-बहनों के साथ ट्रिप प्लान करें। अगर आप भी अपने पार्टनर के साथ किसी ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो हम आपको कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप शादी से पहले मंगेतर के साथ इन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अपने पार्टनर के साथ रोड ट्रिप पर इन जगहों पर जा सकते हैं।

मुंबई से पुणे का सफर

अगर आप मुंबई में रहते हैं, तो आप अपने मंगेतर के साथ पुणे तक रोड ट्रिप प्लान कर सकते हैं। पहाड़ों और हरियाली के रास्ते से होते हुए और खूबसूरत नजारों को देखते हुए पुणे पहुंच सकते हैं। पुणे में मानसून का नजारा बहुत आकर्षक होता है। बता दें कि मुंबई से पुणे तक का सफर करीब 200 किमी है। आप सफर के दौरान पार्टनर के साथ अच्छा-खासा वक्त बिता सकते हैं।

दिल्ली से ऋषिकेश

अगर आपकी शादी में कुछ महीने बचे हैं, वीकेंड पर पार्टनर के साथ आप ऋषिकेश का सफर तय कर सकते हैं। दिल्ली से आप बस, ट्रेन या अपनी गाड़ी से ऋषिकेश तक सफर तय कर सकते हैं। शादी से पहले पार्टनर को सहज महसूस कराने के लिए और उन्हें अच्छा दोस्त बनाने के लिए आप ऋषिकेश में ट्रेकिंग और रिवर राफ्टिंग का आनंद ले सकते हैं। वहीं शाम को गंगा के किनारे सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

जयपुर

आप अपने मंगेतर के साथ राजस्थान के बेहद खूबसूरत शहर जयपुर घूमने जा सकते हैं। आप यहां पर शादी की शॉपिंग भी कर सकते हैं। घूमने के साथ आप जयपुर में कई जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं शादी के लिए वेडिंग लहंगा और दुपट्टे आदि भी खरीद सकते हैं।

दिल्ली

शादी से पहले घूमने और शादी की शॉपिंग के लिए आप अपने मंगेतर के साथ दिल्ली जा सकते हैं। दिल्ली में घूमने के लिहाज से कई शानदार जगहें मौजूद हैं। आप दिल्ली में अक्षरधाम मंधिर, लाल किया, इंडिया गेट, हौज खास विला और कई सुंदर पार्क जा सकते हैं। इसके अलावा आप इन जगहों पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करा सकते हैं। आप शादी से पहले पार्टनर के साथ फोटोशूट कराकर इस ट्रिप को यादगार बना सकते हैं।

क्रिसमस पर इस तरह से करें तैयारी, दिमाग का दही नहीं होगा, पार्टी होगी एकदम शानदार!

ललित गर्ग

क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए ज्यादा दिन नहीं बचें। अगर इस बार आप भी क्रिसमस की पार्टी घर में करना चाहते हैं तो सेलिब्रेट, तो ऐसे करें तैयारी, आखिरी मिनट पर आपको ज्यादा भागदौड़ करने की जरुरत नहीं होगी। आप यहां बताए गए कुछ टिप्स अपना सकते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों के लिए क्रिसमस का त्योहार बेहद खास होता है। क्रिसमस का त्योहार वैसे तो ईसाई घर्म का फेस्टिवल है। लेकिन इसे भारत में काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है। हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस का त्योहार मनाया जाता है। वैसे 25 दिसंबर को साल सबसे बड़ा दिन माना जाता है। दुनियाभर में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन चर्च को काफी खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है। अगर आप इस बार अपने घर पर ही क्रिसमस पार्टी सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो इस तरह से करें तैयारी, नहीं होगा सिरदर्द। सारा काम होगा आसान।

फन के लिए निकालें समय

क्रिसमस त्योहार तो फन के लिए जाना जाता है। इस पर्व की तैयारी में ज्यादा व्यस्त न हो, फन करना भी काफी जरुरी है। आप चाहे तो क्रिसमस की फिल्में देखें, केक बेक करें और मजेदार गेम्स खेलें। यह सबस करने से आपके बच्चे का क्रिसमस स्पेशल बन जाएगा और आपको भी भागदौड़ कम करनी पड़ेगी।

सांता क्लॉज चाहिए

क्रिसमस पार्टी के लिए सांता क्लॉज आना काफी अच्छा लगता है। इससे बच्चों की खुशियां डबल हो जाती है। बच्चों के लिए आप क्रिसमस पार्टी को शानदार बनाने केलिए आप अपने घर पर सांता क्लॉज को भी पार्टी में बुला सकते हैं या फिर कहीं बाहर भी घूमने जा सकते हैं।

बजट भी जरुरी है

बात जब क्रिसमस पार्टी की आती है, तो बजट के अनुकूल होना भी जरुरी है। क्रिसमस के लिए गिफ्ट लेना, खाना बनाना और घर को सजाने वाली चीजें खरीदनी जरुरी है। ऐसा करने से बजट ज्यादा भी हो सकता है। इसलिए आप अपने बच्चों से घर पर ही गिफ्ट्स बनाने के लिए कह सकते हैं।

काम बाट दें

इस दिन काम बहुत ज्यादा होता है। पार्टी के लिए खाने का इंतजाम करना, गिफ्ट्स पैक करना, घर को सजाना आदि। एक इंसान के लिए यह सब करना काफी मुश्किल होता है। इसलिए आप सारे काम परिवार के सदस्यों के बीच में बांट दें। आप चाहे तो क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए बच्चों को यह काम दे सकते हैं।

पहले से करें तैयारी

आखिरी मिनट पर कोई तनाव नहीं लेना है। इसलिए आप पहले से तैयारी कर लें। लिस्ट बनाएं, गिफ्ट खरीदें और चीजों को पहले से ही शेड्यूल कर के चलें। पहले ही से सब प्लानिंग कर लेंगे तो क्रिसमस वाले दिन भगदड़ नहीं रहेगी और आप स्ट्रेस फ्री रह सकेंगे।

विंटर में हार्ट को हेल्दी रखने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें, रुटीन में करें शामिल

शरीर को हेल्दी रखने के लिए दिल का स्वस्थ रखना भी काफी जरुरी है। दिल स्वस्थ रहेगा तो बॉडी में खून फ्लो बढ़ता है। विंटर में दिल को स्वस्थ रखने के लिए इन टिप्स को जरुर फॉलो करें।

कहा जाता है दिल जवां हो तो इंसान भी जवान रहता है। अब दिल को जवां रखने के लिए क्या किया जाए, यह बड़ा सवाल है। खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से दिल के स्वस्थ पर असर पड़ता है। अगर हम सभी अच्छी आदतें और बढ़िया डाइट लें, तो दिल को जवां रखा जा सकता है। वैसे विंटर में दिल को स्वस्थ रखना काफी जरुरी है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में अपने हार्ट को किस तरह से हेल्दी रखें।

ठंड से बचाएं

सर्दी के दौरान दिल को हेल्दी रखना बेहद जरुरी है। सर्दी के दौरान खुद को ठंड से बचाएं। अगर सर्दियों में आप खुद को ठंड से नहीं बचाते हैं तो इसका असर सबसे पहले दिल पर देखने को मिलता है। कई बार अत्यधिक ठंड लगने से दिल धड़कना बंद हो जाता है। सर्दियों में हार्ट अटैक मामले भी बढ़ जाते है।

गुनगुना पानी पिएं

सर्दियों में डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि दिल को स्वस्थ रखने के लिए गुनगुना पानी जरुर पिएं। हार्ट के लिए ठंडा पानी नुकसानदायक है। सर्दी में किसी कैटल मे या फिर पानी को गर्म करके हॉट वाटर बॉटल में रखें और इसे पिएं।

एक्सरसाइज करें

विंटर के दिनों में आलास करने से बचें। ध्यान रहे कि सर्दियों में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज करें, इससे दिल भी स्वस्थ रहता है। आप चाहे तो 5-10 मिनट तक एक्सरसाइज कर सकते हैं।

नशीले पदार्थों से दूर रहे

अगर आप सिगरेट, शराब या तंबाकू का सेवन करते हैं, तो छोड़ दें, क्योंकि यह दिल के लिए यह सबसे बड़े दुश्मन है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए इन सब चीजों को तौबा कर दीजिए। दिल को स्वस्थ रखने के लिए नशा करना छोड़ दें।

साल के पहले सूर्य ग्रहण पर न्याय के देवता शनि बरसाएंगे कृपा

दिव्यांशी भदौरिया

साल का सूर्य ग्रहण 29 मार्च 2025 को लगने वाला है। इसके साथ ही इसी दिन शनि देव राशि परिवर्चन करेंगे। शनि देव कुंभ राशि से निकालकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र इस दिन को काफी खास माना जा रहा है। शनि के गोचर से इन दो राशियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है।

सनातन धर्म में सूर्य ग्रहण का काफी महत्व माना जाता है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, सूर्य ग्रहण को अशुभ माना जाता है। इस असर सूर्य और पृथ्वी की ऊर्जा पर भी पड़ता है। सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य के किरणें अशुभ हो जाती है। इसलिए पूजा-पाठ के काम नहीं किए जाते और खाना भी नहीं खाने की सलाह दी जाती। आपको बता दे कि, सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। इसके साथ ही इस दिन शनि देव राशि परिवर्तन करने जा रहे है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 29 मार्च 2025 को शनि देव स्वयं की राशि कुंभ से निकालकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ऐसे में इन 2 राशियों की बल्ले-बल्ले है। आइए आपको बताते हैं कौन हैं ये लकी राशियां।

इन 2 राशियों को होगा फायदा

धनु राशि

साल के पहले सूर्य ग्रहण और शनि देव के राशि परिवर्तन का असर धुन राशि के जातकों पर शुभ होने वाला है। नए कार्यों की शुरुआत होगी। इसके साथ ही मान-सम्मान में वृद्धि होगी। बीमार चल रहे लोगों को स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर राशि

साल 2025 में पहला सूर्य ग्रहण और शनि का गोचर मकर राशि के लिए लाभदायक होगा। कोर्ट-कचहरी मामलों में राहत मिलेगी। नौकरी में फायदा हो सकता है। अगर विवाह से जुड़ी समस्याएं चल रही हैं, उनका अंत होगा। आप शनिदेव के मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

- ॐ घृणि सूर्याय नमः ।।
- ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्त्रकिरणराय मनोवांछित फलम्-देहि देहि स्वाहा।।
- ॐ ऐहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजो राशे जगत्पते, अनुकंपयेमां भक्त्या, गृहाणार्घय दिवाकरः।।

वनप्लस का पहला फ्लिप फोन: जानें इसकी खासियत और फीचर्स

OnePlus V Flip की सीधी टक्कर सैमसंग के Galaxy Z Flip सीरीज से होने वाली है। सैमसंग ने फोल्डेबल फोन की मार्केट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और इसके गैलेक्सी जेड फ्लिप मॉडल्स ने काफी सफलता हासिल की है।

नई दिल्ली। OnePlus ने हाल ही में घोषणा की है कि वह जल्द ही अपना पहला फ्लिप फोन लॉन्च करने जा रहा है। इस फोन का नाम OnePlus V Flip रखा गया है और यह मोबाइल की दुनिया में एक नई क्रांति लाने की तैयारी में है। खास बात यह है कि OnePlus इस फोन को ऐसे समय पर लॉन्च कर रहा है, जब फोल्डेबल और फ्लिप डिवाइस की मार्केट तेजी से बढ़ रही है। आइए जानते हैं इस नए फ्लिप फोन के बारे में विस्तार से और किस तरह से यह सैमसंग के गैलेक्सी जेड फ्लिप सीरीज को टक्कर दे सकता है।

OnePlus V Flip: नया फ्लिप फोन

OnePlus V Flip, कंपनी का पहला फ्लिप फोन होने वाला है और इसके लॉन्च की खबरों के मुताबिक यह फोन 2025 के अप्रैल से जून तक बाजार में उपलब्ध हो सकता है। इस फोन को लेकर जो रिपोर्ट्स आई हैं, उनके अनुसार इसमें कई ऐसे खास फीचर्स दिए जाएंगे जो इसे बाजार में मौजूद अन्य फ्लिप फोन से अलग बनाएंगे।

फोल्डेबल और फ्लिप डिवाइस की मांग पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ी है और अब OnePlus भी इस मार्केट में कदम रखने जा रहा है। Samsung, Moto, Tecno और Oppo जैसे ब्रांड्स ने पहले ही फ्लिप और फोल्डेबल डिवाइसेस लॉन्च किए हैं, लेकिन अब OnePlus इस खंड में अपनी मौजूदगी दर्ज करने की तैयारी कर रहा है। यह फोन डिजाइन, फीचर्स और उपयोगकर्ता अनुभव के मामले में खास होने वाला है।

Samsung Galaxy Z Flip के साथ सीधी टक्कर

OnePlus V Flip की सीधी टक्कर सैमसंग के Galaxy Z Flip सीरीज से होने वाली है। सैमसंग ने फोल्डेबल फोन की मार्केट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और इसके गैलेक्सी जेड फ्लिप मॉडल्स ने काफी सफलता हासिल की है। OnePlus V Flip के साथ अब ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या OnePlus अपनी डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी में कुछ नया पेश कर सकता है जो सैमसंग को चुनौती दे सके।

इसके अलावा, Moto Razr और Tecno Flip फोन के बाद अब OnePlus भी इस मार्केट में कदम रखेगा, जिसके बाद इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और बढ़ जाएगी। खासतौर पर Oppo Find N5 Flip के बाद OnePlus का यह फ्लिप फोन लोगों की निगाहों में है और डिजाइन के मामले में इसे बहुत ही आकर्षक माना जा रहा है।

फोल्डेबल डिवाइस के मुकाबले

OnePlus V Flip

OnePlus की फ्लिप डिवाइस के मुकाबले, फोल्डेबल डिवाइसेस का मार्केट पहले से ही स्थापित है, खासकर सैमसंग की Galaxy Z Fold सीरीज के साथ। हालांकि OnePlus ने पहले फोल्डेबल फोन लॉन्च किया था, लेकिन वह उतनी सफलता हासिल नहीं कर सका था। अब कंपनी ने अपने नए फ्लिप फोन में बदलावों को ध्यान में रखते हुए इसे एक बेहतरीन विकल्प बनाने की योजना बनाई है।

हालांकि सैमसंग का दबदबा अभी भी फोल्डेबल फोन की मार्केट में कायम है, लेकिन OnePlus V Flip में किए गए सुधार और नए फीचर्स इसे एक बेहतरीन विकल्प बना सकते हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि OnePlus इस फोन को कितनी तेजी से बाजार में पेश करता है और क्या यह सैमसंग को चुनौती देने में सक्षम होगा।

OnePlus V Flip के खास फीचर्स

OnePlus V Flip को लेकर जो रिपोर्ट्स आई हैं, उनके अनुसार इस फ्लिप फोन में कई ऐसे शानदार फीचर्स हो सकते हैं, जो इसे बाजार में मौजूद अन्य फ्लिप फोन से बेहतर बनाते हैं।

बैटरी और चार्जिंग: OnePlus V Flip में 5,700 mAh की बैटरी मिलने की संभावना है, जो कि एक फ्लिप फोन के लिए काफी बड़ी बैटरी होगी। इसके अलावा, इसमें वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट भी दिया जा सकता है, जो यूज़र्स को चार्जिंग के मामले में आसानी प्रदान करेगा।

डिज़ाइन और डिस्प्ले: इस फोन में स्लिम डिज़ाइन होने की उम्मीद है, जिससे यह फोन काफी हल्का और उपयोग में आसान हो सकता है। इसके डिस्प्ले में भी सुधार होने की संभावना है और हो सकता है कि इसमें AMOLED डिस्प्ले दिया जाए, जो बेहतर विज़िबिलिटी और रंगों की गहराई प्रदान करता है।

कैमरा सिस्टम: OnePlus के फोन में हमेशा एक बेहतरीन कैमरा सिस्टम दिया जाता है और इस बार भी OnePlus V Flip में कैमरा सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए कई खास फीचर्स दिए जा सकते हैं। इसमें हाई-एंड कैमरा सेंसर्स और बेहतर नाइट मोड की संभावना है, जो इसे फोटोग्राफी के मामले में खास बना सकते हैं।

स्मार्ट इंटरफेस और सॉफ़्टवेयर: OnePlus के फोनों में हमेशा एक बेहतरीन सॉफ़्टवेयर अनुभव मिलता है और उम्मीद की जा रही है कि OnePlus V Flip में भी Oxygen OS के साथ एक स्मूथ यूज़र इंटरफेस मिलेगा, जो एंड्रॉइड के हर फीचर को बेहतरीन तरीके से इस्तेमाल करने में मदद करेगा।

प्रोसेसर और परफॉर्मेंस: OnePlus V Flip में Qualcomm Snapdragon 8 Gen 2 प्रोसेसर मिलने की संभावना है, जो इसे हाई-परफॉर्मेंस के मामले में प्रतिस्पर्धियों से आगे रखेगा। यह प्रोसेसर गेमिंग, मल्टीटास्किंग और अन्य कार्यों में बेहतरीन प्रदर्शन देने के लिए जाना जाता है।

OnePlus V Flip, कंपनी का पहला फ्लिप फोन होने वाला है और इसे लेकर काफी उम्मीदें हैं। इसमें दिए जाने वाले शानदार फीचर्स और डिजाइन इसे एक बेहतरीन विकल्प बना सकते हैं। हालांकि सैमसंग के गैलेक्सी जेड फ्लिप सीरीज के साथ इसकी सीधी टक्कर होगी, लेकिन OnePlus का यह कदम इस मार्केट में नई उम्मीदें और प्रतिस्पर्धा पैदा कर सकता है। अब यह देखना होगा कि इस फोन के लॉन्च के बाद यह सैमसंग के बाजार हिस्से को कितनी चुनौती देता है।

दिल्ली में लगातार चौथे दिन AQI 400 के पार, फिलहाल नहीं मिलेगी राहत; जानें आनेवाले दिनों का हाल

दिल्ली में प्रदूषण का कहर जारी है। राजधानी में लगातार चौथे दिन एयर इंडेक्स 400 के पार रहा जिससे हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को एयर इंडेक्स बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है, लेकिन रविवार को दोबारा हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। इसके बाद सोमवार को हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। इस वजह से प्रदूषण से अभी ज्यादा राहत की संभावना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को दिल्ली का औसत एयर इंडेक्स 429 रहा। इस वजह से दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रही। किसी अन्य शहर में एयर इंडेक्स 400 से अधिक दर्ज नहीं किया गया। एक दिन पहले दिल्ली का एयर इंडेक्स खतरनाक श्रेणी में 451 था। इसके मुकाबले एयर इंडेक्स में 22 अंकों गिरावट हुई। इस वजह से हवा की गुणवत्ता खतरनाक से गंभीर श्रेणी में पहुंच गई, लेकिन शाम सात बजे दिल्ली के 36 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में 14 जगहों पर एयर इंडेक्स 450 से अधिक खतरनाक श्रेणी में रहा।

नई दिल्ली। राजधानी में इस माह के पहले पखवाड़े में प्रदूषण से थोड़ी राहत थी लेकिन इसके बाद प्रदूषण लगातार ज्यादा बना हुआ है। शुक्रवार को एयर इंडेक्स में आंशिक कमी आई। फिर भी लगातार चौथे दिन एयर इंडेक्स 400 के पार रहा। इस वजह से हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को एयर इंडेक्स बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है, लेकिन रविवार को दोबारा हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। इसके बाद सोमवार को हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। इस वजह से प्रदूषण से अभी ज्यादा राहत की संभावना नहीं है।

दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रही

सीपीसीबी द्वारा जारी 236 शहरों के एयर इंडेक्स

दिसंबर में तीन दिन एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा

सीपीसीबी के अनुसार तीन वर्षों में पहली बार इस बार दिसंबर में चार दिन एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा है। जिसमें से तीन दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर व एक दिन खतरनाक (गंभीर प्लस) श्रेणी में रही। इससे पहले वर्ष 2021 में दिसंबर माह में सात दिन एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा था। इसके बाद वर्ष 2022 में दो दिन और पिछले वर्ष दिसंबर में तीन दिन एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा था।

सुबह में स्मॉग ज्यादा होने से प्रदूषण अधिक

स्विस कंपनी के एप आइक्यूएयर ने बृहस्पतिवार रात 12 बजे से शुक्रवार शाम छह बजे तक दिल्ली का औसत एयर इंडेक्स 464 बताया। इस क्रम में सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एयर इंडेक्स 619 व शाम चार बजे एयर इंडेक्स 271 बताया। हवा की गति कम होने के कारण सुबह में स्मॉग ज्यादा होने से प्रदूषण अधिक महसूस किया गया। दोपहर में प्रदूषण से थोड़ी राहत जरूरत महसूस की गई लेकिन पूरे दिन तेज धूप नहीं निकल पाई और वातावरण में हल्का स्माग बना रहा।

सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली के वातावरण में सुबह पीएम-10 का अधिकतम स्तर 373.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर जो सामान्य मानक स्तर से करीब पौने चार गुना ज्यादा है। पीएम-2.5 का 263.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो सामान्य मानक स्तर से करीब साढ़े चार गुना अधिक है।

प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन की भागीदारी सबसे अधिक

आइआइटीएम पुणे के डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के अनुसार प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन की भागीदारी सबसे अधिक 12.12 प्रतिशत व फैक्टरियों के धुएं की भागीदारी 6.15 प्रतिशत रही। एनसीआर के प्रमुख शहरों में गुरुग्राम, नोएडा व गाजियाबाद में एयर इंडेक्स बेहद खराब और ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद में खराब श्रेणी में रहा।

एनसीआर में सीपीसीबी और आइक्यूएयर के अनुसार एयर इंडेक्स

शहर	सीपीसीबी	आइक्यूएयर
दिल्ली	429	464
गुरुग्राम	335	256
नोएडा	330	217
गाजियाबाद	315	226
ग्रेटर नोएडा	265	187
फरीदाबाद	253	178

दिल्ली में शुक्रवार को सबसे अधिक प्रदूषित रहे इलाकों का एयर इंडेक्स

मुंडका- 466
आरके पुरम- 461
नेहरू नगर- 459
ओखला फेज दो- 458

क्या केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का IO के पास था अधिकार? दिल्ली एचसी ने ईडी से मांगे दस्तावेज

सुषमा रानी

दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूछा है कि क्या आबकारी घोटाला मामले में ईडी के समन को नजरअंदाज करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का संबंधित जांच अधिकारी के पास अधिकार था। अदालत ने ईडी को इस संबंध में प्रासंगिक दस्तावेज पेश करने का आदेश दिया है। मामले में आगे की सुनवाई 11 फरवरी को होगी।

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय से पूछा कि क्या आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के समन को नजरअंदाज करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद के विरुद्ध शिकायत दर्ज करने का संबंधित जांच अधिकारी (आईओ) के पास अधिकार था।

अदालत ने ईडी ने इस संबंध में ईडी को प्रासंगिक दस्तावेज पेश करने का आदेश दिया। अदालत ईडी द्वारा जारी समन के साथ ही इसे चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती दी है। मामले में आगे की सुनवाई 11 फरवरी को होगी।

जोगिंदर नाम के एक ईडी अधिकारी ने जारी किया था समन

हालांकि, मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि भले ही आईओ शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत नहीं था, फिर भी मामले का संज्ञान लेने वाला ट्रायल कोर्ट का आदेश अनुचित नहीं होगा क्योंकि इसमें अनियमितता है या अवैधता नहीं है।

सुनवाई के दौरान केजरीवाल (Arvind Kejriwal) की तरफ से पेश हुई वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन ने आपराधिक शिकायत की स्थिरता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि जबकि मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) के तहत समन जोगिंदर नाम के एक ईडी अधिकारी द्वारा जारी किया गया था।

जबकि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 174 के तहत शिकायत (समन की अवज्ञा करने के लिए) संदीप शर्मा नाम के एक अलग व्यक्ति द्वारा दायर की गई थी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अदालत द्वारा मामले का संज्ञान लेने के लिए शिकायत संबंधित लोक सेवक द्वारा दर्ज की जानी चाहिए, जो इस मामले में पीएमएलए समन जारी करने वाला अधिकारी होगा।

'बाद के समन किसी अन्य अधिकारी द्वारा भेजे गए'

जबकि संबंधित लोक सेवक ने यह शिकायत दर्ज नहीं की है और यह सीआरपीसी की धारा-195 की पूर्ण अवहेलना है। रेबेका जॉन ने बताया कि भले ही समन करने वाला जांच अधिकारी मौजूद था और सेवानिवृत्त नहीं हुआ था, लेकिन बाद के समन किसी अन्य अधिकारी द्वारा भेजे गए थे।

वहीं, ईडी की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि शिकायत एक सह-जांच अधिकारी द्वारा दायर की गई थी, जो शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत था।

इस पर पीठ ने ईडी को संबंधित प्रासंगिक दस्तावेज पेश करने निर्देश दिया कि जिससे स्पष्ट हो सके कि संबंधित जांच अधिकारी केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के योग्य था।

डेढ़ लाख से अधिक वालंटियर्स 'फिर लाएंगे केजरीवाल' में जुटेंगे, देश ही नहीं 14 देशों के लोगों ने कराया रजिस्टर्ड

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए डेढ़ लाख से अधिक वालंटियर्स फिर लाएंगे केजरीवाल अभियान में जुटेंगे। देश ही नहीं 14 देशों के लोगों ने भी इस अभियान के लिए रजिस्टर्ड कराया है। अभी तक 50000 से अधिक वालंटियर्स ने पार्टी के साथ खुद को पंजीकृत किया है जिनमें से 24000 से अधिक भारत और 14 विभिन्न देशों से हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के लिए दिल्ली विधानसभा चुनाव का यह पहला ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जिसमें आप अभी तक के सभी चुनाव से अधिक तैयारी के साथ उतरी हुई है। इस चुनाव में खास बात यह है कि देश विदेश से डेढ़ लाख से अधिक वालंटियर के रूप में लोगों का सेवा देने आने का अनुमान है। यह संख्या अभी तक के चुनाव में स्वेच्छा से आने वाले वालंटियर की सबसे बडी संख्या होगी।

आप के अनुसार अभी तक 50,000 से अधिक वालंटियर ने 'फिर लाएंगे केजरीवाल' अभियान के लिए पार्टी के साथ खुद को पंजीकृत किया है, जिनमें से 24,000 से अधिक भारत और 14 विभिन्न देशों से हैं। अधिकांश लोग उत्तर भारतीय राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश से पंजीकृत हैं। बंगाल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के लोग भी बड़ी संख्या में पंजीकृत करा रहे हैं।

वालंटियर की संख्या डेढ लाख से अधिक पहुंचने का अनुमान

पार्टी सूत्रों की मानें तो वालंटियर की यह संख्या डेढ लाख से अधिक पहुंचने का अनुमान है। उनके अनुसार यह आप ही ऐसा दल है कि जिसके लिए लोग अपनी सुविधा के अनुसार समय देने के लिए केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनवाने में प्रचार करने के लिए आते हैं। वालंटियर का यह क्रम चलता रहता है, कुछ वालंटियर अपने घर से आते हैं और कुछ घर वापस लौटते हैं।

15 जनवरी तक ही एक लाख से अधिक पंजीकरण पूरे होंगे

आप के अनुसार इन वालंटियर को केजरीवाल की ईमानदार पर पूरा भरोसा है और वे उसी भरोसे पर कायम होते हुए आप के लिए हर चुनाव में प्रचार के लिए आते हैं। मगर इस बार वालंटियर के भी वालंटियर में उत्साह अधिक देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो जिस तरह वालंटियर के पंजीकरण का रुझान आ रहा है 15 जनवरी तक ही एक लाख से अधिक पंजीकरण पूरे हो जाएंगे।

विभिन्न सब्सिडी और मदद करने के तरीके पर चर्चा

जबकि चुनाव के लिए अभी अधिसूचना जारी भी नहीं हुई है और वालंटियर अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराने लगे हैं।उन्हें कालिंग टीमों को सौंपा गया है, इन्हें मतदाताओं से सपंर्क करने के कार्य से लेकर इंटरनेट मीडिया टीमों के साथ लगाया जा रहा है। इनमें से कई लोग आवासीय क्षेत्रों में जाकर 'रेवड़ी पे चर्चा' में भाग ले रहे हैं। जिसमें 5-7 लोगों की छोटी बैठकें होती हैं, जिसमें आप सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सब्सिडी और दिल्ली जैसे शहर में गरीबों की मदद करने के तरीके पर चर्चा होती है।

पंजाब से आए मैकेनिकल इंजीनियर को मिला फीडबैक लेने का काम

पंजाब से आए मैकेनिकल इंजीनियर लखविंदर सिंह ने कहा कि 18 दिसंबर को दिल्ली आए उन्हें राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र में आप सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के बारे में प्रचार करने और उम्मीदवार के बारे में आम जनता से फीडबैक एकत्र करने के लिए भेजा गया है। वह उस कार्य में लगे हैं।

पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय खिचड़ीपुर में धूम- धाम से मनाया गया "ग्रैंड पैरेंट्स डे"

शम्स आगाज परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय खिचड़ीपुर में दिनाँक 20/12/2024 को धूम- धाम से प्राथमिक विभाग द्वारा "ग्रैंड पैरेंट्स डे" का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई । जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में प्राथमिक विभाग के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए । इसके साथ ही विद्यालय में आए सभी दादा -दादी तथा नाना – नानी ने आयोजित खेलों में बढ़ चढ़ कर प्रतिभागिता की । प्राचार्य महोदय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के जीवन में दादा- दादी तथा नाना-नानी की उपयोगिता तथा मोबाइल का उनके जीवन में पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की । खेलों में जीते प्रतिभागियों को प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के अंत में मुख्य- अध्यापिका अनुपमा बिष्ट के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ ।

डीयू के छात्रों के लिए अच्छी खबर, विदेश में एक सेमेस्टर की कर पाएंगे पढ़ाई; जानें पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पहले बैच के छात्रों को जल्द ही एक विदेशी विश्वविद्यालय में अपने अंतिम वर्ष का एक सेमेस्टर पूरा करने का अवसर मिलेगा। ट्विन डिग्री कार्यक्रम केतहत छात्र ऐसा कर पाएंगे।

डीयू के चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) के पहले बैच के छात्रों के पास इस साल की शुरुआत में विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की जा रही नई ट्विन डिग्री व्यवस्था के तहत चुनिंदा विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों (एफएचईआई) में विदेश में एक सेमेस्टर करने का विकल्प होगा। ट्विन डिग्री व्यवस्था को लागू करने के तौर-तरीकों को निर्धारित करने के लिए गठित एक समिति ने अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की हैं, जिन्हें 27 दिसंबर को विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के समक्ष विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

कब जा पाएंगे विदेश

सिफारिशों के अनुसार, 2022-23 शैक्षणिक वर्ष से दिल्ली विश्वविद्यालय में नामांकित स्नातक छात्रों को अपने सातवें सेमेस्टर के दौरान एक विदेशी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने की अनुमति होगी।

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को तीसरे या पांचवें सेमेस्टर के दौरान विदेश में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा, जबकि दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों को पांचवें या सातवें सेमेस्टर के दौरान विदेश जाने का विकल्प मिलेगा।

इनको भी मिलेगी ट्विन डिग्री व्यवस्था

इस व्यवस्था के तहत, छात्र विदेश में एक सेमेस्टर पूरा कर सकेंगे, जिसमें उन्हें न्यूनतम 12 क्रेडिट और अधिकतम 26 क्रेडिट मिलेंगे। वापस लौटने पर, छात्रों को मूल संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय से उनकी डिग्री मिलेगी। ट्विन डिग्री व्यवस्था आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के मेधावी छात्रों के लिए भी सुलभ होगी।

विश्वविद्यालय इस श्रेणी के एक या दो छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सहयोग करने की योजना बना रहा है। इन छात्रों की पहचान करने के लिए एक वस्तुनिष्ठ चयन प्रक्रिया स्थापित की जाएगी।

विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय संबंध कार्यालय ट्विन कार्यक्रम के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग शुरू करने के लिए जिम्मेदार होगा, जिसमें पाठ्यक्रम शुल्क, पाठ्यक्रम, छात्र चिकित्सा बीमा, आवास और अन्य जरूरी व्यवस्था जैसे मामलों पर बातचीत शामिल होगी।

बदरपुर सीट पर माथापच्ची करने में जुटी बीजेपी, बिधूड़ी के सांसद बनने के बाद मजबूत प्रत्याशी की तलाश में भाजपा

परिवहन विशेष न्यूज

बदरपुर विधानसभा को गुर्जर बहुल सीट माना जाता रहा है। यहां पांच बड़े गांवों में 80 फीसदी गुर्जरों की आबादी है। इनमें ताजपुर बदरपुर मोलडबंद मीठापुर हरिनगर व जैतपुर शामिल हैं। यही वजह रही है कि हर पार्टी यहां गुर्जर प्रत्याशी पर ही भरोसा जताती है। 1993 से अब तक हुए सात चुनाव में गुर्जर रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चार और रामसिंह नेताजी ने दो बार जीत दर्ज की।

दिल्ली। बदरपुर विधानसभा सीट के लिए भाजपा मजबूत उम्मीदवार की तलाश में जुटी है। इस सीट से भाजपा के विधायक रहे रामवीर सिंह बिधूड़ी के सांसद बनने के बाद पार्टी अब यहां किसी अनुभवी प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति बना रही है।

यहां से आम आदमी पार्टी ने रामसिंह नेताजी को प्रत्याशी घोषित किया है। वह इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में दक्षिणी लोकसभा संसदीय क्षेत्र की 10 में से एकमात्र बदरपुर सीट भाजपा के खाते में आई थी। ऐसे में भाजपा इस सीट को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास में लगी है।

भाजपा किसी दमदार प्रत्याशी की तलाश में

2020 के विधानसभा चुनाव में बदरपुर सीट से भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आप के रामसिंह नेताजी को हराकर बाजी मारी थी। तीसरे नंबर पर बसपा के नारायण दत्त शर्मा रहे थे। बिधूड़ी को 47.05 और रामसिंह को 45.11 फीसदी मत मिले थे। बिधूड़ी के दक्षिणी दिल्ली से सांसद बनने के बाद परिस्थितियां अलग हो गई हैं। अब यहां भाजपा किसी दमदार प्रत्याशी की तलाश कर रही है। इसके लिए वरिष्ठ नेता के नामों पर चर्चा चल रही है। हालांकि अभी तक किसी के नाम पर मुहर नहीं लगी है।

गुर्जर प्रत्याशियों पर ही दांव लगाती है पार्टियां

बदरपुर विधानसभा को गुर्जर बहुल सीट माना जाता रहा है। यहां पांच बड़े गांवों में 80 फीसदी गुर्जरों की आबादी है। इनमें ताजपुर, बदरपुर, मोलडबंद, मीठापुर, हरिनगर व जैतपुर शामिल हैं। यही वजह रही है कि हर पार्टी यहां गुर्जर प्रत्याशी पर ही भरोसा जताती है। यहां हुए 1993 से अब तक हुए सात चुनाव में गुर्जर रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चार और रामसिंह नेताजी ने दो बार जीत दर्ज की है। सिर्फ 2015 के चुनाव में गैर गुर्जर प्रत्याशी नारायण दत्त शर्मा आप से जीते थे। अब वह भाजपा में हैं।

विधानसभा में तीन आप और दो भाजपा के पार्षद

वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र के पांच पार्षदों में से तीन आप व दो भाजपा के हैं। हरिनगर, मोलड़बंद व जैतपुर में आप और बदरपुर व मीठापुर में भाजपा का पार्षद है। बदरपुर की पार्षद आप से जीती थी। कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुई हैं। कई पार्षद भी टिकट को लेकर अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं।

2013 में पहली बार भाजपा का खाता खुला

इस सीट पर पहले तीन चुनाव में तीसरे नंबर पर रहने वाली भाजपा का खाता पहली बार 2013 में खुला। भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रामसिंह नेताजी को हराया था। बिधूड़ी को 34.23 फीसदी वोट मिले थे। जबकि आम आदमी पार्टी नारायण दत्त शर्मा चौथे नंबर पर रहे थे।

बदरपुर सीट से कब-कब कौन जीता

वर्ष	प्रत्याशी	पार्टी
2020	रामवीर सिंह बिधूड़ी	भाजपा
2015	नारायण दत्त शर्मा	आप
2013	रामवीर सिंह बिधूड़ी	भाजपा
2008	रामसिंह नेताजी	बसपा
2003	रामवीर सिंह बिधूड़ी	भाजपा
1998	रामसिंह नेताजी	निर्दलीय
1993	रामवीर सिंह बिधूड़ी	जनता दल

गुरुग्राम की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की 20 से ज्यादा गाड़ियां

गुरुग्राम के कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग इतनी भयानक है कि इसे बुझाने के लिए दमकल की 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग से इलाके में अफरा-तफरी मची हुई है। आगे विस्तार से पढ़िए आखिर आग कैसे लगी है।

मोदीनगर (गाजियाबाद)। गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में साइबर सिटी के कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र की गली नंबर आठ में प्लास्टिक के गोदाम में भीषण आग लग गई। घटना तड़के चार बजे की है। आग तेजी से फैल गई और पास की गली में खड़ा एक कैंटर भी आग की चपेट में आ गया।

वहीं, आग लगने की सूचना के बाद सेक्टर 37 दमकल केंद्र के अलावा भीमनगर, सेक्टर 29 और उद्योग विहार दमकल केंद्र से 20 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने के लिए पहुंची। आग लगने के बाद इसका धुआं और लपटें दूर तक दिखाई दीं।

लोगों को सांस लेने में हुई परेशानी

बताया गया कि प्लास्टिक में आग लगने के कारण आग तेजी से धधक गई और जहरीले धुएं के कारण आसपास के क्षेत्र में लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लगभग छह घंटे बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

फायर ब्रिगेड को सुबह चार बजकर छह मिनट पर मिली थी सूचना

सेक्टर 29 दमकल केंद्र के फायर स्टेशन ऑफिसर रामेश्वर सिंह ने बताया कि दमकल केंद्र को आग लगने की सूचना चार बजकर छह मिनट पर मिली थी। तुरंत घटनास्थल के लिए दमकल केंद्रों से फायर ब्रिगेड को रवाना किया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग पाया है। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग से जलकर गिरा शेड

आग तेजी से फैलने के कारण एक बड़ा शेड नीचे गिर गया। इस शेड के नीचे प्लास्टिक, पॉलिथीन, गत्ते और प्लास्टिक दाना आदि रखा हुआ था। शेड गिरने के कारण आग बुझाने में परेशानी हुई। तुरंत एक अर्थमूवर मशीन मंगवाई गई और शेड

को हटाकर आग पर काबू पाया गया।

पटाखा गोदाम क्षेत्र में लगी थी आग

कादीपुर में जिस जगह आग लगी थी, उससे लगभग 200 मीटर पर ही एक पटाखा गोदाम भी बना हुआ है। अगर आग पटाखा गोदाम तक फैलती तो जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। दमकल की गाड़ियों ने चारों तरफ से पानी की बौछारों से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से बचाव हो गया।

वहीं, आग पूरी तरह बुझने के बाद इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, आग की इस घटना से लोग पूरी तरह सहम गए थे।

बरौला गांव में सफाई व्यवस्था बदहाल: प्राधिकरण की उदासीनता पर उठे सवाल

इशिका मुख्य रिपोर्टर

नोएडा के सेक्टर-49 स्थित बरौला गांव में सफाई व्यवस्था की गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। गांव की गलियों में कूड़े के ढेर लगे हैं, और नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की शिकायतें और प्राधिकरण की निष्क्रियता

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कुछ लोगों ने अवैध रूप से नालों पर अतिक्रमण कर रखा है, जिससे जल निकासी बाधित हो रही है और गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है। इससे बच्चों और बुजुर्गों को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने लगभग एक महीने पहले सिविल विभाग को अतिक्रमण हटाने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन वर्क सर्कल-3 द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

स्वच्छता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस

नोएडा प्राधिकरण शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए विभिन्न अभियानों में जुटा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

गाजियाबाद में रुपये छोड़कर भगवद्गीता चुरा ले गया चोर, श्रद्धालुओं में गुस्सा; प्रदर्शन की चेतावनी

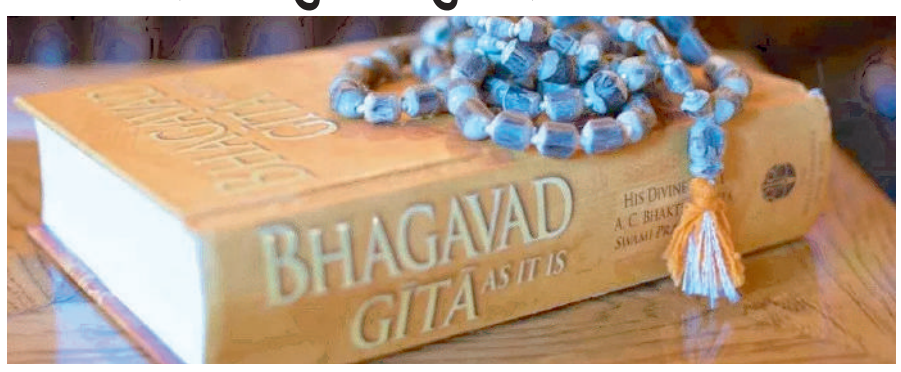

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय सनातन सेवा संस्थान द्वारा प्रताप विहार में 15 दिसंबर से भागवत कथा का आयोजन किया गया है। हरिद्वार स्थित मोहन गोकुलधाम के पीठाधीश्वर कृष्ण संजय यहां पर भागवत कथा कहते हैं। उनके पास 400 साल पुरानी भगवद् गीता है जिसे पढ़कर वह कथा कहते हैं। यहां पर रोजाना सैकड़ों लोग कथा सुनने के लिए आते हैं। चोर इसी भगवद्गीता को चुरा ले गया।

गाजियाबाद। प्रताप विहार ई-ब्लॉक के रामलीला मैदान में आयोजित भागवत कथा के दौरान शुक्रवार को 400 साल पुरानी भगवद् गीता चोरी कर ली गई। इससे श्रद्धालुओं में रोष उत्पन्न हो गया। उन्होंने चोरी के आरोपित को गिरफ्तार करने की मांग की है। 24 घंटे में वारदात का पर्दाफाश न होने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। पुलिस ने जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर श्रद्धालुओं को शांत कराया। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ विजयनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भारतीय सनातन सेवा संस्थान द्वारा प्रताप विहार में 15 दिसंबर से भागवत कथा का आयोजन किया गया है। हरिद्वार स्थित मोहन गोकुलधाम के पीठाधीश्वर कृष्ण संजय यहां पर भागवत कथा कहते हैं। उनके पास 400 साल पुरानी भगवद् गीता है, जिसे पढ़कर वह कथा कहते हैं। यहां पर रोजाना सैकड़ों लोग कथा सुनने के लिए आते हैं।

व्यास पीठ पर भगवद्गीता नहीं मिली

गुरुवार की रात को भागवत कथा का पांचवां दिन था। रात को सभी लोग कथा खत्म होने पर घर गए। व्यास पीठ पर रखी भगवद् गीता रखी थी, यहां पर सुरक्षा के मद्देनजर दो लोगों की ड्यूटी लगाई गई थी। रात को वह दोनों सो गए। छह दिन शुक्रवार सुबह दस बजे जब पुजारी वहां पर पहुंचे तो व्यास पीठ पर भगवद्गीता नहीं मिली। वहां पर चढ़ाए गए रुपये और फल रखे मिले।

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

लोगों का आरोप है कि रुपये और फल न चोरी कर सिर्फ भगवद्गीता को चोरी कर धार्मिक भावनाएं आहत करने की कोशिश की गई है। चोरी की सूचना पर श्रद्धालुओं की भीड़ वहां पर इकट्ठा हो गई, सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। भारतीय सनातन सेवा संस्थान के अध्यक्ष पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस की एक टीम को चोरी की वारदात का पर्दाफाश करने के लिए लगाया गया है।

अरिहंत प्रकाशन की नोएडा फैक्ट्री में तीन दिन से चल रही है आयकर की छापेमारी, 33 टीम के 200 अधिकारी जुटे

परिवहन विशेष न्यूज

आयकर विभाग ने प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों के प्रकाशन के लिए जाने जाने वाले अरिहंत प्रकाशन के नोएडा स्थित कार्यालय में तीन दिनों से सर्च अभियान चलाया है। विभिन्न दस्तावेजों को कब्जे में लेकर टीम जांच कर रही है। इस कार्रवाई में नोएडा की 33 टीम के 200 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा पश्चिम उत्तर प्रदेश व दिल्ली आयकर अधिकारियों की टीम अलग से लगी है।

नोएडा। प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों के आपूर्तिकर्ता अरिहंत प्रकाशन के नोएडा सेक्टर-67 स्थित बी 121 फैक्ट्री पर तीन दिन से आयकर की सर्च जारी है। विभिन्न दस्तावेजों को कब्जे में लेकर टीम जांच कर रही है।

नोएडा की इस यूनिट में गेट-नेट समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों की कंपोजिंग का कार्य होता है। कार्रवाई में नोएडा की 33 टीम के 200 अधिकारी व कर्मचारी शामिल है। इसके अलावा पश्चिम उत्तर प्रदेश व दिल्ली आयकर अधिकारियों की टीम अलग से लगी है। वहीं, दादरी के राम वाटिका में कंपनी के कर्मचारी के घर दो दिन तक सर्च चला है।

आयकर की टीम बुधवार को अरिहंत प्रकाशन की फैक्ट्री पहुंची

सूत्रों का कहना है कि बुधवार को आयकर की कई टीम सुबह सात बजे अरिहंत प्रकाशन की फैक्ट्री में पहुंची। इसमें महिला अधिकारी भी शामिल रहीं। इस दौरान टीम का काफिला बढ़ता रहा, आध दर्जन से अधिक गाड़ियों से आयकर के शीर्ष अधिकारी पहुंचे। इस दौरान पुलिस भी तैनात रही।

तीन दिन से लगातार सर्च की कार्रवाई से आसपास की फैक्ट्रियों में चर्चा का माहौल गर्म हो गया, क्योंकि यहां पर काम करने वाले कर्मचारी व अधिकारी आसपास लोगों से न तो बातचीत करते थे और न ही अपने प्रतिद्वंदी प्रकाशकों से संपर्क रखने में विश्वास रखते थे।

चित्रा की किताबों के प्रकाशन के बाद प्रकाशक चर्चा में आया था

सूत्रों का कहना है कि एनसीईआरटी सोल्यूशन, एनडीए, पुलिस भर्ती, आईपीएस, यूपीएससी, आईपीएस एग्जाम के लिए किताबों का प्रकाशन करता है। चार दशक से ज्यादा समय से वह कारोबार में जुड़ा है, चित्रा की किताबों के प्रकाशन के बाद प्रकाशक चर्चा में आया था, जिसमें बड़े घालमेल की आशंका जताई गई थी।

कर्मचारी को साथ ले जाने की चर्चा

दादरी के राम वाटिका में कंपनी के कर्मचारी मुकेश कुमार का मकान है। सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे पुलिस के साथ आयकर विभाग की टीम मुकेश कुमार के यहां पहुंची और सर्च शुरू किया। इस दौरान किसी को घर में आने-जाने नहीं दिया।

मुस्तफा को बेरहमी से मारा, फिर ठिकाने लगाई लाश; पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया सच

गाजियाबाद। गाजियाबाद जनपद के मोदीनगर में निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव सौंदा में मंगलवार को ईंख के खेत में मिले मुस्तफा की गला दबाकर हत्या की गई थी। उसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए खेत में फेंका गया था। यह पुष्टि शुक्रवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुई।

पुलिस ने मुस्तफा की पत्नी की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। मुस्तफा सोमवार शाम से लापता था। शव पर चोट का कोई निशान नहीं था। पुलिस शुरुआती जांच में हादसा मान रही थी। लेकिन अब हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस हरकत में आई है।

पुलिस के अनुसार, मुस्तफा के मोबाइल की सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) निकलवाई गई है। करीबियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रथम दृष्टया पुलिस का करीबियों पर ही हत्या का शक गहरा रहा है।

घटना का खुलासा करने में जुटी तीन टीमें

देहात एसओजी समेत निवाड़ी थाने की तीन टीम घटना के पर्दाफाश में जुटी हैं। पुलिस घटना का जल्द पर्दाफाश करने का दावा कर रही है। गांव सौंदा के मुस्तफा 40 वर्ष घर के पास ही पंक्चर लगाने का काम करते थे। पत्नी शाजिदा और छह बच्चों के साथ रहते थे।

बताया गया कि मुस्तफा सोमवार दोपहर को घर से दुकान के लिए निकले थे, लेकिन रात तक नहीं लौटे। परिजनों ने आसपास पता किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद कॉल भी की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।

संसद में घमासान - शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर

एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र जिसके बारे में पूरी दुनियाँ चर्चा करती है। दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों- हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी जिसके बचाव में माननीय पीएम सहित अनेक मंत्री सामने आए व गृहमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहां की उसके बयान को एआई की मदद से तोड़ मरोड़ कर एक अंश को प्रस्तुत किया गया है जिसपर दो दिनों से घमासान चल रहा है, परंतु गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 का दिन संसद के काला दिवस के रूप में माना जा सकता है, जहां शाब्दिक घमासान ने धक्का मुकी का रूप ले लिया, जिसमें दो सांसद महोदय घायल हो गए हैं व अस्पताल में भर्ती है, तथा दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ़ पुलिसथाने में एफआईआर दर्ज करा दी है सताधारी पार्टी ने नए आईपीसी कानून की धारा 115 117 125 131 351 3(5) तो विपक्षी बड़ी पार्टी ने 114 115 116 117 129 130 131 133 धाराओं के अंतर्गत सांसद मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है जो मैंने एफआईआर के लिए दी गई पांच पुष्ठों की कॉपी देखी उसमें करीब 15 संसद सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो मैंने अपने 40 वर्षों के स्तंभकार लेखन के करियर में शायद पहली बार ही यह देखा हूं, क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुकी बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, संसद में धमासान शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों एफआईआर बनाम एफआईआर।

साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को संसद परिक्षेत्र में धक्कामुक्की करें तो, बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी कथित तौर पर धक्का-मुक्की भी हुई। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है।कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है। आज बाबासाहेब के अपमान के खिलाफ संसद परिसर में इंडिया गठबंधन के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब इंडिया गठबंधन के सांसद मकर द्वार पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पार्टी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष के साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष को चोट भी आई है सत्ताधारी पार्टी की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आज कांग्रेस के सांसदों ने संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने में बदसलूकी करने वाले सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।लोकसभा स्पीकर को भी लिखा पत्र इसके अलावा कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की, जो न सिर्फ कांग्रेस नेता की गरिमा पर हमला है, बल्कि संसद की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत भी है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि इस मामले में वह उचित कार्रवाई करें। कांग्रेस सांसदों ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आप इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस धक्कामुक्की का मामला पुलिस थाने की दहलीज पर पहुंचने पर एफआईआर बनाम एफआईआर की करें तो, संसद भवन में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की के बाद लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।इस मामले में नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से भी शिकायतें की हैं।संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि के द्वारा शारीरिक हमला और उकसाने के लिए उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से कांग्रेस के झूठ के प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर रहे थे और उनसे माफी की मांग कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी अपने इंडी गठबंधन के सांसदों के साथ आए और तय रास्ते से न जाकर एनडीए के सांसदों के बीच आ गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को उकसाया भी और दुर्भावनापूर्ण रवैये के साथ आगे बढ़े।राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। इसमें 109 हत्या का प्रयास और 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने का मामला है।दूसरी तरफ, मणिपुर से भाजपा की महिला राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने राहुल गांधी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने सभापति को पत्र लिखकर राहुल गांधी बताया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, तभी यह घटना हुई।कोन्याक ने चिट्ठी में बताया, मैं मकर द्वार की सीढ़ियों के नीचे हाथ में तख्ती लेकर खड़ी थी। सुरक्षाकर्मियों ने वहां घेराबंदी कर दूसरे दलों के सांसदों के प्रवेश के लिए एक रास्ता बनाया हुआ था। उसी समय राहुल गांधी अपनी पार्टी के अन्य सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए अलग रास्ता बनाया हुआ था। उन्होंने ऊंची आवाज में मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और वह मेरे इतने करीब थे कि एक महिला सदस्य होने के नाते मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी।. कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायतसंसद भवन परिसर में हुई हाथापाई को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बीजेपी सांसदों पर अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। इसके अलावा कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की। कांग्रेस ने स्पीकर से उचित कार्रवाई की मांग की।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संसद में घमासान - शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुक्की बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान.बाबासाहेब आंबेडकर मुद्दे पर छिड़ा धमासान धक्का मुक्की से लेकर, पुलिस थाने की दहलीज़ तक पहुंचा- मतदाता दंग उनका भ्रम भंग

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर

आ रही है सबसे सस्ती बजाज चेतक ईवी, क्या ओला के नए स्कूटरों को दे पाएगी टक्कर ?

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो आज बाजार में अपना आइकॉनिक चेतक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है। कंपनी अपडेटेड इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज लॉन्च करेगी। बजाज चेतक इलेक्ट्रिक देश के इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में काफी पॉपुलर मॉडल बन गया है। यह स्कूटर बजाज का सबसे किफायती स्कूटर साबित हो सकता है। नए स्कूटर में आपको नया चेसिस और बड़ा बूट स्पेस देखने को मिलेगा। अब देखना यह है कि यह नया स्कूटर ओला के नए स्कूटर को टक्कर दे पाएगा या नहीं।

बजाज चेतक ईवी के डिजाइन की बात करें तो यह बाजार में मौजूद मॉडल से मिलता-जुलता है। कंपनी ने नई जनरेशन बजाज चेतक के साथ इस स्कूटर को और भी बेहतर बनाया है। इन दिनों बाजार में एथर रिज़ा, टीवीएस आईक्यूब और ओला एस1 जैसे ई-स्कूटर बड़ा बूट स्पेस दे रहे हैं। ऐसे में बजाज ने भी अपने स्कूटर के लिए नया चेसिस डिजाइन किया है। इस स्कूटर में बैटरी पैक फ्लोरबोर्ड के नीचे मिलेगा। अगर बैटरी पैक फ्लोरबोर्ड के नीचे शिफ्ट हो जाए तो स्कूटर को ज्यादा बूट स्पेस मिलेगा।

अगर नए बजाज चेतक के बैटरी पैक की बात करें तो अभी इसके फीचर्स का खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन बाजार में कंपनी के मौजूदा स्कूटर्स को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। बजाज चेतक दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ आता है, जिसमें 2.88kWh और 3.2kWh बैटरी ऑप्शन शामिल हैं। इस हिसाब से अंदाजा लगाया जा सकता है कि नया मॉडल बड़े बैटरी पैक के साथ आ सकता है। नए मॉडल में ज्यादा बैटरी पैक देखने को मिल सकते हैं।

नए स्कूटर में बैटरी पैक के डिजाइन में बदलाव किया गया है। जिससे इसकी परफॉर्मेंस भी बढ़ सकती है। यह पिछले मॉडल से बेहतर साबित हो सकता है। यह ज्यादा रेंज दे सकता है। बजाज चेतक के मौजूदा मॉडल की बात करें तो यह 123Km से 137Km की रेंज यानी आईडीसी रेंज का दावा करता है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 96,000 रुपये से 1.29 लाख रुपये तक हो सकती है।

21वां ईवीएक्सपो 2024 प्रगति मैदान में शुरू, नवाचार और नए लॉन्च की धूम के साथ 10 वर्षों की उत्कृष्टता का जश्न

परिवहन विशेष न्यूज

प्रगति मैदान के हॉल नंबर 1 और 2 में आज 21वें ईवीएक्सपो का शुभारंभ हुआ, जो इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में नवाचार और विकास को प्रोत्साहित करते हुए 10 वर्षों की सफलता का जश्न मना रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस इवेंट की शुरुआत उत्साह के साथ हुई, जिसमें भारत और विदेशों से उद्योग के विशेषज्ञ, नवाचारकर्ता और उत्साही लोग शामिल हुए।

इस एक्सपो का उद्घाटन सड़क परिवहन और राजमार्ग और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने किया। श्री मल्होत्रा ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में इलेक्ट्रिक वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भले ही एथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन के फायदे हैं, लेकिन वर्तमान समय में ईवी सबसे बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने ईवीएक्सपो की तारीफ की, जो ईवी उद्योग के सभी हितधारकों को एक साथ आने और स्थायी परिवहन को बढ़ावा देने का बेहतरीन मंच प्रदान करता है। उन्होंने इवेंट में ई-ट्रैक्टर की उपस्थिति पर खुशी भी जाहिर की। श्री मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि ईवी, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2070 तक भारत को कार्बन न्यूट्रल बनाने के विजन को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इस मौके पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा और पूर्व विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी भी उपस्थित थीं।

लगभग 200 प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ ईवीएक्सपो 2024 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की व्यापक रेंज प्रदर्शित कर रहा है। व्यक्तिगत, यात्री और उपयोगिता वाहनों से लेकर, आगंतुक यहां अत्याधुनिक 2, 3 और 4 व्हीलर्स जैसे ई-स्कूटर, बाइक्स, ई-रिक्शा, ऑटो, लोडर, ट्रैक्टर, कार और फूड कार्ट आदि देख सकते हैं। यह आयोजन ईवी घटकों, बैटरियों, चार्जिंग समाधानों, एक्सेसरीज और सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों को अपने नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करने का मंच भी प्रदान करता है।

'इस साल का ईवीएक्सपो ईवी क्षेत्र के प्रति एक दशक की प्रतिबद्धता का उत्सव है,' 21वें ईवीएक्सपो 2024 के आयोजक श्री राजीव अरोड़ा ने कहा। 'हम उद्योग के नेताओं, नवाचारकर्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाने और स्थायी मोबिलिटी में बदलाव लाने के लिए सहयोग करने पर गर्व महसूस करते हैं। प्रदर्शकों और उपस्थित लोगों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इस आयोजन के महत्व को इलेक्ट्रिक परिवहन के भविष्य को आकार देने में और बढ़ा देती है।'

ईवी फेडरेशन के अध्यक्ष और ईवीएक्सपो 2024 के सह आयोजक श्री अनुज शर्मा ने कहा, 'जैसे ही हम इस अद्भुत यात्रा के 10 वर्षों का जश्न मना रहे हैं, यह देखना गर्व की बात है कि ईवी उद्योग ने कितनी प्रगति की है। यह आयोजन न केवल अत्याधुनिक तकनीकों को प्रदर्शित करता है, बल्कि एक हरित और अधिक स्थायी भविष्य के सामूहिक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। हम इस मंच को प्रदान करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जहां विचारों का क्रियान्वयन होता है और ईवी क्रांति को आगे बढ़ाया जाता है।'

इस एक्सपो में भाग लेने वाली कुछ कंपनियों की मुख्य विशेषताएं और नए लॉन्च

• खालसा ईवी- दो एल5 मॉडल (3+1 और 6+1) लॉन्च किए, जो प्रति चार्ज 203 किमी की रेंज प्रदान करते हैं – यह सेगमेंट में सबसे अधिक है। 230AH-11.7 KWH बैटरी से लैस, इसमें 5 साल की बैटरी वारंटी और IoT ट्रैकिंग की सुविधा है। कीमतः लगभग ₹4 लाख।

• सिटीअस (Citius): ई-ट्रैक्टर (बलराज ईटी 207 और ईटी 250) सहित कई वाहन पेश किए। 20 एचपी और 50 एचपी वाले ये एलएफपी बैटरी से चलने वाले ट्रैक्टर 80-280 किमी की रेंज प्रदान करते हैं। 2-5 टन की आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त। साथ ही, 2-व्हीलर्स, किचन ई-कार्ट और 16-सीटर आरटीवी लॉन्च किए।

• टेरा मोटर्स (जापान): एलएफपी बैटरी के साथ डी+3 एल5 ऑटो ई-रिक्शा लॉन्च किया, जो 150 किमी रेंज और 50-55 किमी/घंटा की गति प्रदान करता है। ऑन-रोड कीमतः ₹3.75 लाख, ₹3 लाख के लोन विकल्प के साथ। मेड इन इंडिया।

• मैक्सिम ई व्हीकल्स (हरियाणा): कई लॉन्च किए, जिनमें विकलांगों के लिए उपयुक्त एक दोपहिया वाहन शामिल है, जो 80 किमी की रेंज प्रदान करता है। यह लेड बैटरी (₹65,000) या लिथियम बैटरी (₹80,000) के साथ उपलब्ध है। ई-स्कूटर और लोडर भी लॉन्च किए गए।

• ईवीईवाई इलेक्ट्रिक बाइक (सिरसा): वेस्पा प्राइम स्कूटी लॉन्च की, जिसकी कीमत ₹56,000 (1 साल की वारंटी के साथ) है। यह 50-60 किमी की रेंज प्रदान करती है और लिथियम बैटरी विकल्प (₹66,000) के साथ भी उपलब्ध है।

• मर्करी ईवी टेक लिमिटेडः ₹मुषकऱ नामक पिकअप/लोडर वाहन लॉन्च किया, जो हाइड्रोलिक लिफ्ट से लैस है। इसमें 1,000 किलोग्राम लोड क्षमता, 200 किमी रेंज और उन्नत उपयोगितावादी फीचर्स हैं।

पांच साल में चंडीगढ़ में बिके केवल 5.64 फीसदी ईवी: लोगों ने ज्यादा नहीं दिखाई रुचि, प्रशासन इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारी बढ़ाने में रहा नाकाम

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। चंडीगढ़ प्रशासन के जोरदार दबाव के बावजूद, पिछले पांच वर्षों में चंडीगढ़ में ईंधन आधारित वाहनों की तुलना में केवल 5.64 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बेचे गए। भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने राज्यसभा में कहा कि 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2024 के बीच चंडीगढ़ में कुल 2,19,391 वाहन बेचे गए। इनमें ईवी की संख्या 12,375 रही जो कुल वाहन बिक्री का केवल 5.64 फीसदी है। यह खुलासा शुक्रवार को भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा द्वारा राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों से हुआ। चंडीगढ़ में बेचे गए 12,375 ईवी में से 3,690 दोपहिया, 6,731 तिपहिया, 1,799 चार पहिया और 155 हल्के यात्री वाहन थे।

आंकड़ों के मुताबिक कुल वाहन बिक्री में ईवी हिस्सेदारी के मामले में चंडीगढ़ देश में चौथे स्थान पर है। सूची में सबसे आगे दिल्ली है, जहां सबसे अधिक 7.72 फीसदी ईवी अपनाई गई है। इसके बाद गोवा 6.28 फीसदी, असम 5.79 फीसदी और त्रिपुरा 5.62 फीसदी के साथ पांचवें स्थान पर है। यूटी प्रशासन ने सितंबर 2022 में पांच साल की ईवी नीति शुरू की थी, जिसका लक्ष्य ईंधन आधारित वाहनों के उपयोग को हतोत्साहित करने और प्रदूषण को कम करने के लिए धीरे-धीरे पंजीकरण बंद करना था। यह 2027 तक शून्य-उत्सर्जन वाहनों की उच्चतम पहुंच हासिल करके चंडीगढ़ को मॉडल ईवी सिटी बनाने की एक बड़ी योजना का हिस्सा था। हालांकि, पिछले साल 23 नवंबर को, विभिन्न हलकों के दबाव में, तत्कालीन यूटी प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने दोपहिया, चार-पहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित गैर-इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण पर लगी रोक हटा दी थी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन, चंडीगढ़ के वित्त सचिव राम कुमार गर्ग ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की रखरखाव लागत, विशेष रूप से बैटरी के लिए, बहुत महंगी है। इसके अलावा, जब कोई उचित सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचा नहीं है तो लोग इलेक्ट्रिक वाहन क्यों खरीदेंगे? प्रशासन अपने अधिकांश चार्जिंग स्टेशनों को चालू करने में विफल रहा है, जिससे खरीदारों की चिंता बढ़ गई है कि वे अपने वाहनों को कहां चार्ज करेंगे।

अपनी ईवी नीति के हिस्से के रूप में, पर्यावरण के अनुकूल वाहनों को बढ़ावा देने के लिए, प्रशासन ने पांच साल के लिए पंजीकरण शुल्क और सडक़ कर माफ कर दिया है। इसके विपरीत, पारंपरिक ईंधन-आधारित वाहनों के मालिकों को दोनों का भुगतान करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, 20 सितंबर, 2022 और 19 सितंबर 2027 के बीच खरीदे गए 25,000 ई-साइकिल, 10,000 ई-बाइक और 3,000 ई-कारों सहित विभिन्न श्रेणियों के 42,000 वाहनों के लिए 3,000 से 2 लाख तक के प्रोत्साहन की पेशकश की जा रही है। प्रोत्साहन देश में कहीं भी खरीदे गए ईवी के लिए लागू हैं, लेकिन केवल चंडीगढ़ के स्थायी निवासी ही पात्र हैं। पिछले साल मई में, यूटी प्रशासन ने इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ हाइब्रिड वाहनों को अगले पांच वर्षों के लिए रोड टैक्स का भुगतान करने से छूट दी थी।

इस बीच, लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि मंत्रालय ने चंडीगढ़ के लिए पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी है। राज्यसभा में उठाए गए एक अन्य प्रश्न पर, भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि चंडीगढ़ के लिए 11.87 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत और जारी की गई थी। उन्होंने कहा कि पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत, बिहाइंड-द-मीटर बिजली बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 फीसदी केंद्रीय सहायता (सीए) प्रदान की जाती है। चंडीगढ़ में 2027-28 तक परिवहन विभाग की सभी बसें इलेक्ट्रिक बसों में तब्दील हो जाएंगी। हालांकि पहले कुछ बसों को सीएनजी में बदलने का प्रस्ताव था, लेकिन पता चला कि इसमें ज्यादा खर्च आएगा, जिसके चलते परिवहन विभाग ने इस प्रस्ताव को ही रद्द कर दिया था। फिलहाल सीटीयू के पास कुल 80 इलेक्ट्रिक बसें हैं जो लोकल रूटों पर चलती हैं। अगर प्रशासन को और बसें मिल जाएं तो आने वाले समय में पूरा बेड़ा इलेक्ट्रिक हो जाएगा।

ईवी चार्जिंग का हो बेहतर इंतजाम

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। वर्ष 2023-24 में देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों का बाजार कुल यात्री वाहन बाजार में बमुश्किल दो फीसदी का हिस्सेदार रहा। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 25 में इसमें 100 आधार अंकों की बढ़ोतरी होगी। इसमें आधे से अधिक ईवी बाजार दोपहिया वाहनों का है। परंतु कार निर्माता इन आंकड़ों से कतई विचलित नहीं हैं। इसी समाचार पत्र में प्रकाशित एक खबर के अनुसार देश की शीर्ष कार कंपनियां आने वाले वर्ष में 15 से 20 नए ईवी पेश कर सकती हैं।

2024 में उन्होंने सात से आठ नई इलेक्ट्रिक कारें पेश की थीं। इनमें से अधिकांश ईवी महंगे स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल हो सकते हैं। कार निर्माता शायद भविष्य पर दांव लगा रहे हैं। मोटे तौर पर उन्हें लगता है कि खर्च करने योग्य आय बढ़ने से 2030 तक 15 फीसदी बाजार ईवी का हो जाएगा और चार्जिंग के ढांचे में जबरदस्त विस्तार होगा। दोनों बातों में दम तो है। परंतु हाल फिलहाल के रुझानों पर नजर डाली जाए तो चार्जिंग या बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का नेटवर्क ईवी की चाल को सुस्त कर सकता है।

2015 में देश में फास्टर एडॉप्शन ऐंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक ऐंड हाइब्रिड व्हीकल्स (फेम) के रूप में ईवी कार्यक्रम की शुरुआत हुए नौ वर्ष बीत चुके हैं। परंतु देश में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या 12,000 से कुछ ज्यादा ही हैं जबकि सड़कों पर 17 लाख ईवी दौड़ रहे हैं। एसऐंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के अनुसार इस वर्ष के अंत तक करीब 9,000 नए चार्जिंग पॉइंट तैयार हो जाएंगे।

फिर भी आंकड़ा जरूरत से बहुत कम होगा। चीन में दो करोड़ ईवी हैं और उनके लिए 32 लाख सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट हैं। वाहन कंपनियां भी ऐसे नेटवर्क में निवेश कर रही हैं। उदाहरण के लिए टाटा पावर ने दो कंपनियों के साथ समझौता करके चार्जिंग स्टेशन बनाना शुरू किया है। टाटा मोटर्स ने शेल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के पेट्रोल पंपों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने का फैसला किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी बीपी के नेटवर्क की सहायता लेकर 5,000 चार्जिंग पॉइंट बनाने पर काम शुरू किया है। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, ह्युंडै और एमजी मोटर भी चार्जिंग नेटवर्क कायम करने की योजना बना रही हैं। सवाल यह है कि बड़ी कंपनियों की इन योजनाओं से भारी तादाद में चार्जिंग पॉइंट बन पाएंगे। अभी अधिकांश चार्जिंग पॉइंट स्टार्टअप या छोटे-मझोले उपक्रम चला रहे हैं।

वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि गाड़ियां बढ़ने पर चार्जिंग स्टेशन बढ़ाएं या स्टेशन बढ़ने पर ईवी की तादाद खुद ब खुद बढ़ जाएगी। चार्जिंग ढांचे की कमी से ईवी बाजार छोटा रह गया है और केवल पांच फीसदी चार्जिंग ढांचे का इस्तेमाल देख कर उसका विस्तार कौन करे। उसे लगाने के लिए महंगी रियल एस्टेट, चार्जर और बिजली का भी खर्च होता है। बैटरी की अदला-बदली (स्वैपिंग) से ईवी चलते रह सकते हैं। मगर मानकीकरण की कमी और चार्जिंग पॉइंट जैसे भारी खर्च की वजह से भारत में अभी यह लोकप्रिय नहीं हो पाई है।

कुल मिलाकर इस निष्कर्ष से बचना मुश्किल है कि सरकार को चार्जिंग ढांचे को गति देनी चाहिए। इस मामले में चार्जिंग स्टेशन के लिए नई नीतियां और प्रोत्साहन देने की बात कही गई है, खासकर राजमार्गों पर। सरकार कह चुकी है कि वह निजी कारोबारियों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म तैयार करेगी। उसने ईवी-सब्सिडी योजना का तीसरा चरण पेश किया है।

पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्युशन इन इनोवेशन व्हीकल एनहैंसमेंट यानी पीएम-ईड्राइव को सितंबर में 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। यह देखना होगा कि यह व्यवस्था कैसे विकसित होती है। जब तक चार्जिंग के लिए एक मजबूत ढांचा नहीं तैयार होता है, कार निर्माताओं के लिए अच्छा होगा कि वे अपने वाहनों को बाजार में न उतारें।

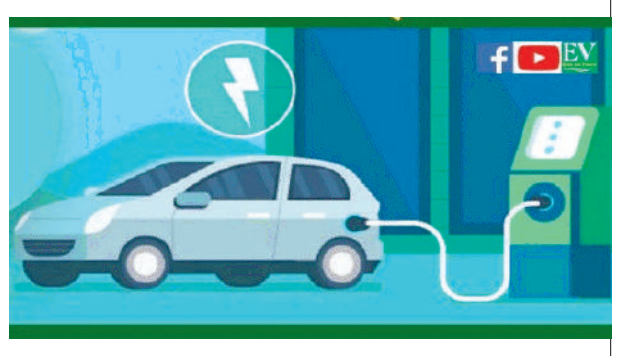

नितिन गडकरी ने भारत को ग्लोबल ईवी मार्केट का लीडर बनने की संभावनाओं पर दिया जोर

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने नागपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रदूषण को नियंत्रित करने और ₹22 लाख करोड़ के वार्षिक फॉसिल फ्यूल इंपोर्ट पर निर्भरता घटाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने सरकार की मंशा को दोहराते हुए कहा कि देश को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर ले जाना और 2070 तक कार्बन न्यूट्रल बनाना हमारा लक्ष्य है।

श्री गडकरी के संबोधन की मुख्य बातें:

• मार्केट ग्रोथः 2023-24 में भारत में 30 लाख EV रजिस्टर हुए, जिससे EV बिक्री में 45% की बढ़ोतरी हुई और मार्केट पेनिट्रेशन 6.4% तक पहुंच गया। खास बात यह रही कि कुल दो-पहिया वाहनों की बिक्री में से 56% इलेक्ट्रिक थे, जिसमें 400 से अधिक स्टार्टअप्स का अहम योगदान रहा।

x भविष्य की संभावनाएं: 2030 तक भारतीय EV मार्केट ₹20 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे 5 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। 2028 तक हाइब्रिड और EVs का मार्केट शेयर 8% तक पहुंचने का अनुमान है। EV फाइनेंस मार्केट का आकार ₹4 लाख करोड़ तक होने की संभावना है।

• लिथियम भंडारः जम्मू-कश्मीर में भारत के पास 60 लाख टन लिथियम का भंडार है, जो वैश्विक स्टॉक का 6% है और 60 करोड़ EVs के निर्माण के लिए पर्याप्त है। सरकार इन भंडारों के उपयोग में तेजी लाने के प्रयास कर रही है।

x लागत में कमीः वर्तमान में लिथियम-आयन बैटरी की जीवनचक्र लागत $115 प्रति किलोवाट-घंटा है, जो अगले छह महीनों में $100 से कम होने की संभावना है।

x रिसाइक्लिंग का मौकाः लिथियम-आयन बैटरी रिसाइक्लिंग मार्केट 2030 तक ₹50,000 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

श्री गडकरी ने ईवी इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समय का लाभ उठाकर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईवी उत्पादन को दस गुना बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय ईवी इंडस्ट्री को विश्व स्तर पर, खासकर चीन जैसे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेहतरीन तकनीक और गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। उन्होंने साबित तकनीक, आर्थिक व्यवहार्यता, कच्चे माल की उपलब्धता और उत्पादों की मार्केटेबिलिटी को सफलता के चार महत्वपूर्ण स्तंभ बताया।

उन्होंने आगे कहा कि पूरी दुनिया ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ रही है और ईवी इंडस्ट्री की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। सही तकनीक, भविष्य की योजना और रिसर्च के साथ भारत वैश्विक बाजार में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अपने सपने को साझा करते हुए कहा कि भारत को दुनिया का नंबर वन ऑटोमोबाइल हब बनाना और ईवी सेक्टर से बड़ा योगदान लेकर यह उपलब्धि अगले पांच वर्षों में हासिल करना उनका लक्ष्य है।

थैले में फिलीस्तीन की आजादी

पिछले दिनों कितना बड़ा गुज्जर सम्मेलन हो लिया। उसमें हिंदू-मुसलमान दोनों शामिल हुए। राज परिवार की यही सबसे बड़ी चिंता है। अब तक एक बिरादरी के मुसलमानों को उसी बिरादरी के हिंदुओं से डराकर, सुरक्षा के नाम पर एक अलग तबेले में रखा जाता था। वह राज परिवार का सुरक्षित वोट बैंक था। लेकिन अब वही वोट बैंक खिसकता नजर आ रहा है। घबराहट में किसी ने सुझाया, जल्दी फिलीस्तीन की आजादी वाले थैले तैयार करवाओ और उसे प्रियंका गांधी के कंधे पर लटका कर घुमाओ। लेकिन कांग्रेस की बात नहीं बनी'

गांधी-नेहरु परिवार लम्बे अरसे से राजनीति में सक्रिय है। लेकिन यह शायद पहली बार है कि लगभग सारा परिवार संसद में उपस्थित है। सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं, उनका बेटा राहुल गांधी और उनकी बेटी प्रियंका गांधी लोकसभा की सदस्य हैं। मोती लाल नेहरु से राजनीति शुरू करने वाला यह परिवार सोनिया गांधी तक पहुंचते-पहुंचते देश की राजनीति में तो बना हुआ है, लेकिन भारतीय संस्कृति, उसके इतिहास व समाजशास्त्र से बुरी तरह कट चुका है। इसमें परिवार की इस पीढ़ी का दोष नहीं है। सोनिया गांधी से इस प्रकार की आशा भी नहीं करनी चाहिए। जहां तक उनके बेटे और बेटी का प्रश्न है, वे छोटी उम्र में ही पिता के साये से मरहूम हो गए थे। इसलिए उन पर माता का ही प्रभाव पड़ सकता था। यह प्रभाव पड़ा भी। यही कारण है कि राहुल गांधी जलेबियों की फैक्टरियां लगवा कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाने लगे। जहां तक प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था।

अब इस कठिन प्रश्न का उत्तर कांग्रेस के लिहाज से एक ही हो सकता था कि प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है। फिलीस्तीनी आजादी से प्रसन्न होकर भारत में कांग्रेस की सत्ता वापसी हो सकती है। दूसरे दिन किसी ने बता दिया कि 'फिलीस्तीन की आजादी' भारत का इश्यू नहीं है। यहां तो सत्ता वापसी का रास्ता 'बांग्लादेश' के हिंदू का मसला उठाने से बन सकता है। तब दूसरे दिन प्रियंका गांधी अपने पर्स पर बांग्लादेश लिखवा लाईं। लेकिन चिंता तो है ही। समय निकलता जा रहा है और सत्ता वापस आने के आसार दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहे। खुदा का शुक्र है कि सोनिया जी के दोनों बच्चे अंग्रेजी पढ़े लिखे हैं। पुराने 'ब्रिटिश मास्टर' की किताबों में दिन-रात खपते हैं। आखिर यूरोप के लोग दो सौ साल हिंदुस्तान पर राज कैसे कर गए? इस मामले में सोनिया गांधी भी कुछ न कुछ बताती ही होंगी या कम से कम माथा तो खपाता ही होंगी। तब पता चलता है कि वे भारत के लोगों में फूट डालते थे और राज करते थे। तभी से पूरा 'राज परिवार' भारत में हर हालत में जाति के आधार पर जनगणना करवाने को लेकर छटपटा रहा है। प्रतीक्षा करनी चाहिए, अब प्रियंका गांधी 'जाति गणना करवाएं' वाला बैग लेकर संसद में कब आती हैं। सत्ता वापसी का एक दूसरा रास्ता भी दिखाई दे रहा है। ईवीएम को लेकर प्रतिदिन मातमी धुनें बजाई जाएं। इससे देश के भविष्य का प्रश्न जोड़ा जाए। इसलिए हर रोज कायदे से ईवीएम के तबले पर घंटों रियाज किया जाता है। लेकिन राज परिवार की इन हरकतों से आसपास के राजनीतिक पड़ोसी भी घबराहट में हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तो इस बेमानी शोर शराबे से तंग आकर कह ही दिया कि लगता है आप लोगों से यह हो नहीं पाएगा। ईवीएम का रोना धोना बंद करो, सत्ता प्राप्ति का कोई दूसरा रास्ता तलाशो। लेकिन राज परिवार का यही तो संकट है। सत्ता तक पहुंच पाने का दूसरा रास्ता कहां है, सोनिया-राहुल-प्रियंका ने उस रास्ते की तलाश में मल्लिकार्जुन खडग़े साहिब को आगे कर दिया। वह हाथ में डंडा लेकर अंधेरे में टटोलते हुए एक-एक कदम आगे चलते हैं और राज परिवार उनके पीछे चलता है।

दुनिया आशा पर ही टिकी हुई है। वैसे भी खडग़े देसी आदमी हैं, इस देश को बखूबी समझते हैं। कहीं न कहीं तो पहुंचाएंगे ही। परंतु खडग़े भी बेचारा क्या कर सकता है। दुनिया की नजर में तो वह आगे-आगे दिखाई देता है, लेकिन आज्ञा पीछे से राज परिवार ही दे रहा है। कभी दाएं मुड़, कभी बाएं मुड़। इस बुढ़ौती में खडग़े साहिब परेशान हैं। लेकिन हर हालत में इस पुराने राज परिवार के बच्चों को इस देश के तख्त पर बिठाना है। पर बच्चे नटखट हैं। खडग़े की सुनते नहीं, उन पर अपना हुक्म चलाते हैं। कभी सोरोस जार्ज के कन्धों पर सवार होकर चिकोटी काटते हैं और कभी अमेरिका की भारत विरोधी 'डीप सटेट' के अंग संग दिखाई देते हैं। यह डीप सटेट इतना तो समझ ही गई है कि भारत को तोडने का जो सामान और पटाखे उसने लम्बे अरसे से तैयार कर रखे थे, अब भारत में उसके माल का असली ग्राहक मिल गया है। इसलिए 'फाइव आईज' से ये पटाखे लेकर राज परिवार के बच्चे हर रोज भारत के आंगन में जलाते हैं और विदेशी षड्यन्त्रों का प्रदूषण फैलाते हैं। किसान को तो रोज समझाया और डराया जा रहा है कि पराली मत जलाओ, इससे प्रदूषण फैलता है। लेकिन यह पुराना राज परिवार विदेशी षड्यन्त्रों का जहरीला धुआं हर रोज फैलाता है। पर इनको कौन समझाए? खडग़े साहिब समझाते तो जरूर होंगे। पर बेचारे क्या करें? लाचार हैं। इस उम्र में राज परिवार की सेवा से किनारा भी तो नहीं कर सकते।

अब राज परिवार पर एक नया भूत चढ़ बैठा है। हिंदू को छोड़ो, मुसलमान को पकड़ लो। वही इस भवसागर से पार लगाएगा और सत्ता के किनारे तक पहुंचा देगा। दूर पार के लोगों ने समझाया भी यहां हिन्दुस्तान में मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। ये सब इसी देश के लोग हैं, इटली या अरब से आए हुए लोग नहीं हैं। मुगल राज के बुरे दिनों में नाम बगैरह बदल लिया था, थोड़ा नमाज वगैरह भी सीख लिया था, लेकिन कोई चौहान है, कोई दुबे है, कोई त्यागी है, कोई वैरागी है, कोई पोसवाल है, कोई नम्बूदरी है। अब हालात बदल गए हैं। मुगलों का डर खत्म हो गया है। इसलिए ये सब अपनी नकली चादरें उतार कर अपनी अपनी बिरादरियों के साथ उठना बैठना शुरू कर रहे हैं। पिछले दिनों कितना बड़ा गुज्जर सम्मेलन हो लिया। उसमें हिंदू-मुसलमान दोनों शामिल हुए। राज परिवार की यही सबसे बड़ी चिन्ता है। अब तक एक बिरादरी के मुसलमानों को उसी बिरादरी के हिंदुओं से डराकर, सुरक्षा के नाम पर एक अलग तबेले में रखा जाता था। वह राज परिवार का सुरक्षित वोट बैंक था। लेकिन अब वही वोट बैंक खिसकता नजर आ रहा है। घबराहट में किसी ने सुझाया, जल्दी फिलीस्तीन की आजादी वाले थैले तैयार करवाओ और उसे प्रियंका गांधी के कन्धे पर लटका कर घुमाओ। तभी हिन्दुस्तान का मुसलमान दोबारा राज परिवार की देहरी पर लौट कर आएगा। प्रियंका गान्धी ऐसा थैला लेकर घूमी फिरी भी। लेकिन चौक पर काम मिलने की प्रतीक्षा में खड़ा कोई मुसलमान पूछ रहा है, यह फिलीस्तीन क्या होता है? अब थैला न लटकाते बनता है, न उतारते बनता है। लगता है कांग्रेस को कई झटके मिलने के बावजूद वह वहीं की वहीं खड़ी है।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री

'अंबेडकर' एक सियासी फैशन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दे दिया कि अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर कहना अब एक राजनीतिक फैशन बन गया है। इस बयान से कुछ हद तक हम भी इत्तफाक रखते हैं, लेकिन गृहमंत्री ने यह भी कहा कि यदि इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग ही मिल जाता।' बेशक बाद का कथन आपत्तिजनक है। संसद में ऐसे कथन 'असंसदीय' माने जाते रहे हैं। दरअसल बयान से न तो बाबा अंबेडकर का अपमान हुआ है और न ही किसी का सम्मान हुआ है। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें एहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था, जिसे हम दोहराना नहीं चाहते। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था। लेकिन उन्होंने संविधान के जरिए दलितों, वंचितों, पिछड़ों, आदिवासियों आदि के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं से लडने की जो क्षमता दी, उसके मद्देनजर ये वर्ग बाबा को 'महामानव' और 'भगवान' के समान ही मानते हैं। लिहाजा अंबेडकर के खिलाफ जो सियासत खेली जाती है या विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, तो वे हरकतें इन तबकों को असहनीय लगती हैं। अंबेडकर से भाजपा (अथवा जनसंघ) के राजनीतिक सरोकार बेहद कम रहे हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने उन्हें देश की प्रथम राष्ट्रीय सरकार में कानून मंत्री बनाया था। उसी सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। नेहरू और इन दोनों बौद्धिक नेताओं के बीच कई विरोधाभास थे।

वे नेहरूवादी नीतियों से सहमत भी नहीं थे, नतीजतन दोनों ने मंत्री पद से इस्तीफे दिए। कांग्रेस में अंबेडकर की राजनीति के विरोध की शुरुआत यहीं से होती है। श्यामा प्रसाद ने 'जनसंघ' पार्टी की स्थापना की, तो अंबेडकर ने डॉ. राममनोहर लोहिया के साथ मिल कर 'सामाजिक न्याय' की राजनीति का सूत्रपात किया। उन्हें हिंदूवादी राजनीति का भी कुछ समर्थन मिला। नेहरू ऐसी सियासत के खिलाफ थे, नतीजतन उन्होंने भरपूर प्रचार और प्रयास कर अंबेडकर को दो बार लोकसभा चुनाव हराया। उन पराजयों पर नेहरू बेहद खुश थे। उन्होंने ही तब की हिंदूवादी राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया था। ये बातें नेहरू के तत्कालीन पत्रों में स्पष्ट कही गई थीं। कांग्रेस का अंबेडकर-विरोध यहां से घनीभूत होना शुरू और 6 दिसंबर, 1956 को बाबा के निधन तक जारी रहा। प्रधानमंत्री नेहरू ने 1955 में खुद को 'भारत-रत्न' सम्मान से नवाज लिया, लेकिन देश के संविधान के रचनाकार अंबेडकर को इस लायक नहीं समझा। उसके बाद कांग्रेस की जितनी भी सरकारें आईं, उन्होंने बाबा अंबेडकर को 'भारत-रत्न' नहीं समझा। अंततः 1990 में वीपी सिंह सरकार ने, जिसे भाजपा और वामदलों का भी समर्थन था, बाबा को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। हम आज उस इतिहास को बार-बार दोहराने के पक्ष में नहीं हैं। हम ऐसा कई बार कह भी चुके हैं, लेकिन देश की शीर्ष राजनीति ही यह लीक पीट रही है, लिहाजा अतीत का विश्लेषण भी प्रासंगिक लगता है। बहरहाल, अंबेडकर के सियासी अनुयायी ढोंगी हैं, क्योंकि उन्हें बाबा के जीवन और दर्शन से कोई सरोकार नहीं है, लिहाजा सियासत एक फैशन ही है। उनके नाम पर सियासत नहीं की जानी चाहिए।

अनहद में समाया जाकिर हुसैन का तबला

प्रो. सुरेश शर्मा

जाकिर हुसैन ताउम्र देश-विदेश तथा अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोहों में अपने तबले का कमाल दिखाते रहे। वह दुनिया भर में भारतीय कला तथा संगीत के अग्रदूत थे। भारत सरकार द्वारा सन् 1988 में महज 37 वर्ष की आयु में नागरिक अवार्ड पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण दिया गया तथा 22 मार्च 2023 को भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, अकादमी रत्न पुरस्कार, इंडो-अमेरिकन अवार्ड, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कालीदास सम्मान तथा अनेकों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इस अनूठे तथा आकर्षक तबला वादक ने दुनिया भर में एक विशेष इज्जत तथा नाम कमाया है जो कि बिरले ही व्यक्ति को नसीब होता है

विश्वविख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का इस भौतिक जगत से ब्रह्म नाद में समा जाना पूरी दुनिया में शून्य पैदा कर गया। दुनिया भर के संचार माध्यम, रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, न्यूज चैनल, इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेसबुक तथा वाट्सएप शोक संदेश तथा उस्ताद जाकिर हुसैन के किस्सों तथा तबला वादन के क्लिप्स से भर गए। नौ मार्च उन्नीस सौ इक्यावन को पैदा हुआ यह महान भारतीय कलाकार अपनी सुर और लय की सांगीतिक यात्रा पूर्ण कर पन्द्रह दिसम्बर दो हजार चौबीस को दुनिया में तबले का धमाल पैदा कर हमेशा के लिए ओझल हो गया। आने वाली पीढियां विश्वास नहीं करेंगी कि भारतीय संगीत का पूरे विश्व में डंका बजाने बारे उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा शख्स भी इस धरती पर अवतरित हुआ था। उनका इस धरा पर अवतरित होना तथा खो जाना अकल्पनीय है। अब दुनिया में तबले पर शिव के डमरू का नाद, शंख की ध्वनि, घोड़े का दौडना, दौड़ती रेलगाड़ी की आवाज, झगड़ते हुए पति-पत्नी की गुफ्तगू की ध्वनियां सुनने को नहीं मिलेंगी। संगीत के तराने, घरानों के सबक, महान गुरुओं के किस्से, जीवन के अनुभव, सांगीतिक एवं मानवीय संस्कार, अनुकरणीय उस्ताद की नम्रता और विनम्रता अब देखने को नहीं मिलेगी क्योंकि यह सत्य है और हमें विश्वास करना होगा कि मनुष्यों तथा कलाकारों में श्रेष्ठ उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा अकल्पनीय तबला वादक अब हमारे बीच में नहीं है और वह नाद ब्रह्म की सेवा के लिए अनंत यात्रा पर निकल चुके हैं। ऐसा लग रहा है मानो लय थम सी गई है, सुर घुट सा रहा है तथा संगीत सिसकारियां भर रहा है।

यह एक ऐसे श्रेष्ठ व्यक्ति की कहानी है जिसे लिखने के लिए जहां शब्द निःशब्द हो जाते हैं तथा गणनाएं शून्य हो जाती हैं, कल्पनाएं बड़ा आकार लेने के कारण उन्हें समेटा नहीं जा सकता तथा केवल अनुभव एवं अनुभूत किया जा सकता है। सौभाग्यशाली हैं वो लोग जिन्होंने उस्ताद जाकिर हुसैन के दर्शन किए हैं और उनका विलक्षण तबला वादन सुना है। एक ही बात मुंह से निकलती थी- वाह उस्ताद वाह, क्या बात है। बालक जाकिर हुसैन ने मात्र बारह वर्ष की आयु से ही व्यावसायिक तबला वादन का जलवा बिखेरना शुरू कर दिया था। उनके पिता अल्ला रक्खा खां साहब ने उनके तबले की तालीम तथा मां बीबी बेगम ने उनकी पढ़ाई पर केन्द्रित किया। उस्ताद जाकिर हुसैन पारिवारिक संस्कारों तथा पिता विश्वप्रसिद्ध पंजाब घराने के तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा खां साहब की कड़ी तालीम तथा देखरेख में आगे बढ़े हैं। तबले को आम आदमी की जिंदगी से जोडना तथा सामान्य घटनाओं, सूक्ष्म अनुभूतियों तथा ध्वनियों को तबले पर उतारना उनकी विशेषता रही है। उस्ताद जाकिर हुसैन ने विश्व भर के युवा तबला वादकों में एक खास अंदाज तथा तबला वादन के लिए एक विशेष आकर्षण पैदा किया है। उन्होंने विश्व में एकल तबला वादकों में प्रस्तुति का एक विशेष प्रदर्शन कौशल का अंदाज दिया है। जाकिर हुसैन ने लय-ताल तथा तबले के साथ विश्वभर के पाश्चात्य ताल वादकों के साथ अनेकों प्रयोग किए। तबला वादक होने के साथ वे एक संगीत निर्देशक, प्रयोगधर्मी तथा अभिनेता भी रहे हैं। उनको एक सम्पूर्ण कलाकार तथा श्रेष्ठ, अनुकरणीय एवं उदाहरणीय संगीतज्ञ के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। संगीत के करियर में उन्हें पांच ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जाकिर हुसैन ताउम्र देश-विदेश तथा

अन्तरराष्ट्रीय संगीत समारोहों में अपने तबले का कमाल दिखाते रहे। वे दुनिया भर में भारतीय कला तथा संगीत के अग्रदूत थे। भारत सरकार द्वारा सन्-1988 में महज 37 वर्ष की आयु में नागरिक अवार्ड पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण दिया गया तथा 22 मार्च 2023 को भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, अकादमी रत्न पुरस्कार, इंडो-अमेरिकन अवार्ड, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कालीदास सम्मान तथा अनेकों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इस अनूठे तथा आकर्षक तबला वादक ने दुनिया भर में एक विशेष इज्जत तथा नाम कमाया है जो कि बिरले ही व्यक्ति को नसीब होता है। इतनी बड़ी शख्सियत के जाने पर महमूद रामपुरी का शे'र याद आता है, 'मौत उसी की है करे जिसका जमाना अफसोस/यूं तो दुनिया में सभी आए हैं मरने के लिए'। संगीत की दुनिया में अद्वितीय एवं अकल्पनीय योगदान देने के लिए भारतीय संगीत जगत उन्हें अनंत काल तक याद रखेगा। संगीत का यह सूर्य कभी भी अस्त नहीं हो सकता। संगीत के क्षेत्र में दुनिया में भारत का परचम लहराने के लिए भारतीय संगीत समाज में उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' की मांग होने लगी है। निश्चित रूप से ऐसा होना भारत माता के अद्वितीय सपूत का सम्मान होने के साथ-साथ भारतीय कलाओं तथा कलाकारों का सम्मान होगा। संगीत जगत में उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

चर्चा की खोज में तपोवन

कारवां आया मेरे घर तक मगर, बताया गया कि यहीं तक था सफर। अपनी बाउंड्री पर चौके-छक्के मारती हिमाचल की राजनीति के सामने शीतकालीन सत्र की अहमियत सिर्फ कौए की कांव-कावं सरीखी है। यानी सूचनाएं बहुत हैं, लेकिन मुंह पर पट्टी बांधे सवाल मौन हैं। पहले दिन के घटनाक्रम की खोज में तपोवन के बजाय जोरावर सिंह स्टेडियम की ताल पर विपक्ष के आरोप खूब नाचे। यह शक्ति प्रदर्शन था या सरकार के दो साल के सफर का विरोध, कम से कम विपक्ष सदन में तो नहीं था और जो थे, उन्हें प्रश्र काल नहीं मिला। कहां तो शून्य काल को प्रतीक्षारत ध्वनियां आकाशीय अपेक्षाएं कर रही थीं और कहां कट गए प्रश्र इस इंतजार में। सरकार को सदन चलाना था, इसलिए कई महत्त्वाकांक्षी कानूनों में बदलाव की अर्जियां मुकम्मल होती गईं और एक साथ विधेयक पेश हो गए। इन बदलावों में सरकार के बर्ताव में कुछ किफायतें, कुछ सुधार और कुछ वक्त का तकाजा इस्तेमाल किया गया। भर्ती नियमों से अधिकृत कर्मचारी वर्ग की खुली बाहों में वित्तीय अनुशासन का हल्का सा टीका लग रहा है, ताकि कल कोई जिरह पेश हो तो फैसले की जद में केवल नियमित होने की तारीख ही परिभाषित की जा सके। यह इसलिए भी कि हिमाचल में भर्ती नियमों में इतने छेद हैं कि कानूनी पैरवी में सरकारों के हाथ पांव फूल जाते हैं और जब निर्णय आता है तो बजट में उधार का संदूक और खुल जाता है। जनता के दबाव और राधा स्वामी सत्संग ब्यास के भोटा अस्पताल के प्रभाव में लैंड सीलिंग एक्ट की दीवारों को थोड़ा पीछे हटाने की जरूरत ने लैंड सीलिंग एक्ट का नया सीमांकन करने का रास्ता खोजा है। देखना यह है कि यह रहम, मरहम या वहम है कि इसके बाद इस स्तर की नौबत नहीं आएगी या कानून की सीमाओं के भीतर आगे भगदड़ नहीं होगी। सरकारी नौकरी में कामकाज की लाज को पुख्ता करने के लिए आइंदा पब्लिक सर्वेंट की वांछित अरेस्ट से पहले सरकार से ताकीद करनी होगी।

कोई भी एजेंसी सीधे हाथ नहीं डाल पाएगी। बहुत शिकायतें करते हैं और सतर्कता विभाग के सबूत अकसर किसी रिश्वत के आरोप पर गर्दन तक पहुंच जाते हैं। सरकारी महकमों की मिट्टी कुरेदती शिकायतें अकसर इतनी पैनी होती हैं कि पब्लिक सर्वेंट को अब सरकार की अनुमति की कुछ तो ढाल मिलेगी। प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से पुलिस एक्ट में बदलाव आने से कांस्टेबल कॉडर अब राज्य स्तरीय नियुक्तियों का पैमाना होगा। कानून व्यवस्था में राज्य कॉडर का अपना एक खास आयाम है और तमाम कैटेगिरी में ऐसी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाती है। बहरहाल सरकार को अपने विधेयक पेश करने की सदन में सहूलियत मिली तो बाहर विपक्ष को अपनी आक्रोश रैली में गूंजने का मौका

मिला, लेकिन इन दोनों घटनाक्रमों के बीच जनता के सवाल दूर-दूर से तपोवन तक पहुंच कर भी शिद्दत से दस्तक नहीं दे सके। यहां विपक्ष का काम रोको प्रस्ताव स्वीकार हुआ तो भ्रष्टाचार के आरोपों पर सबूत मांगने की कुश्ती ने इसे पटकनी लगा दी। जाहिर तौर पर विपक्ष सदन के भीतर जिन आरोपों के बलबूते बड़ी बहस करना चाहता था, उसके लिए उसे जोरावर स्टेडियम की मिट्टी काम आ गई। यहां एक मुकाबला नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के बीच भी सदन के बाहर देखा जा सकता है। जयराम ठाकुर ने सरकार की मंशा, काबिलीयत और कार्यपद्धति पर कड़े सवाल दागे हैं, तो जोरावर स्टेडियम में जोरदार नारों के बीच 'कांगड़ा पूछता है' का सवाल उभर आया। वहां समोसा उभरा तो मुर्गा भी बांग देने लगा। वहां राज्यसभा चुनाव तक भाजपा पहुंची तो उसकी झोली में हर्ष महाजन की सीट उछल पड़ी और उछली लोकसभा की चारों सीटें, जिनके मलाल में मुख्य संसदीय सचिवों के पद भी कानूनी हार के कोपभवन में पहुंच गए। विपक्ष की आक्रोश रैली के गंतव्य तक क्या हिमाचल पहुंचा और क्या सदन के मंतव्य तक राज्य पहुंचा। पहुंचता भी तो कैसे क्योंकि जिन प्रश्रों की मशाल उठाए हर हिमाचली को लोकतंत्र से आशा है, वह अब सदन की गरिमा को अपने लाग लपेट की भाषा में छुपाने लगा है। देखें हमारी आशा के दीप तपोवन में जले रहते हैं या आपसी द्वंद्व में सत्ता और विपक्ष की फुफकार में इन रास्तों की रोशनी ही बुझती रहती है।

लागी छूटे न'

शायरी शुरू की तो पिताजी ने बड़ा डांटा। बोले-'बरखुरदार कोई अच्छा काम करो। यह बीमारी ठीक नहीं, लत लग गयी तो छूटेगी नहीं।' पिताजी के कथन की अनदेखी करके मैं गुपचुप में शायरी करने लगा। कविताएं लिखने लगा। प्रेमभरी वे कविताएं आज भी मेरे पास सुरक्षित हैं। एक दिन पिताजी ने मुझे फिर कविता करते रंगे हाथों पकड़ लिया। आग बबूला हो गए। बोले-'तुम अभी भी यह काम कर रहे हो? मैंने तुम्हें रोका था। बेटा जीवन भर रोओगे, न घर के रहोगे न घाट के। मैं फिर कहता हूं कि कविता से मुंह मोड़ लो। हम खाते-पीते लोग हैं, हमें यह काम शोभा नहीं देता। अभी तुम्हारा शादी-ब्याह भी नहीं हुआ है। कल यह बात फैल गई तो तुम्हारा विवाह होना जटिल हो जाएगा। लिखने का ही शौक है तो सुलेख लिखो, तुम्हारा हस्तलेख भी सुंदर नहीं है।' मैंने कहा-'पिताजी, कविता मेरी नस-नस में समा गई है। मुझे नहीं लगता कि मैं इसे छोड़ पाऊंगा। कविता मेरे दिल का चैन है। मैंने इसे छोड़ा तो सब चौपट हो जाएगा।' पिताजी फिर बिगड़े, बोले-'तुम्हारे दिन शुभ नहीं लगते बेटा! यह नशा है और नशा कोई भी हो, खराब ही होता है। मेरी बूढ़ी होती आंखें तुम्हें खुश देखना चाहती हैं। यदि तुमने इसे छोड़ा तो मैं चैन से मर सकूंगा। कविता हमारे बाप-दादों ने नहीं लिखी, तुम्हें यह मर्ज कैसे लग गया, मेरी समझ से परे है।' मैं बोला-'पिताश्री यह लाइलाज मर्ज है। यह मैंने खुद पाला है। इसलिए दंड का भागीदार भी मैं ही बनूंगा।

आप चिंता न करें, कविता बड़े काम की चीज है। मैंने इसे यों ही नहीं अपनाया है। इसके बड़े फायदे हैं।' 'फायदे! कविता के भला क्या फायदे हो सकते हैं?' पिताजी ने पूछा। मैंने कहा-'कवि से अनचाहे लोग नहीं मिलते हैं। खास तौर पर मेहमानों का आवागमन प्रतिबंधित रहता है। आने वाले को पता होता है कि उस घर में एक कवि है, जिसके यहां गए तो खैर नहीं। मैंने ऐसी-ऐसी बोरपूर्ण कविताएं लिख रखी हैं कि उनका पाठ करने पर मनुष्य ही नहीं, पशु तक भी सामने नहीं टिक सकते हैं। आप कहें तो एक कविता बतौर बानगी आपके सामने पेश करूं?' पिताजी सकपका गए, बोले-'देखो बेटा, तुमने कविताएं लिख लीं, वो तो ठीक है, लेकिन उसे घर में इस्तेमाल करना ठीक नहीं है-तुमने जो उबाऊ कविताएं रची हैं, उनका प्रयोग अतिथियों के आगमन पर ही उचित रहेगा। इसलिए अनचाही भीड़ को घर में आने से नियंत्रित करने का कविता, नायाब नुस्खा बकौल तुम्हारे पास है तो फिर ठीक है, तुम कविताएं जमकर लिखो। मुझे बस यही तो संदेह था कि कहीं तुम्हारे कविता करने से श्रोताओं की भीड़ तो घर में नहीं घुसी रहेगी? आज मैं तुमसे बहुत खुश हूं। जाओ तुम कविताएं लिखो, जब कविता इतनी माकूल चीज है तो इसे अपनाए रहो।' बस फिर क्या था, मेरा हौसला बढ़ता गया और मैं कविता के फील्ड में आगे से आगे निकलता गया। हालांकि पाठ करते समय अनेक बार मुझे सड़े-गले टमाटरों, अंडों का जरूर सामना करना पड़ा, लेकिन मैंने कभी इस बात की परवाह नहीं की तथा कविता का एकालाप जारी रखा।

छोटे शहर से लेकर बड़े सपनों और विशाल यूनिकॉर्न तक: रेज़रपे के 10 साल; 2 युवकों ने बनाई विश्वस्तरीय फिनटेक कंपनी

परिवहन विशेष न्यूज

आज अपनी शुरूआत के एक दशक बाद रेज़रपे विश्वस्तरीय नाम बन चुका है जो लाखों कारोबारों को अपने फाइनैंशियल समाधानों के साथ सशक्त बना रहा है। पिछले दशक के दौरान रेज़रपे तेज़ी से विकसित हुआ और फिनटेक उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। आज रेज़रपे 5 मिलियन से अधिक कारोबारों को सशक्त बना चुका है। आइए जानते हैं कि इसकी शुरुआत कैसे हुई।

नई दिल्ली। आज भारत के फिनटेक स्पेस में अनगिनत ब्राण्ड है जो तेजी से उभर रहे हैं, इस बीच आपको ऐसा भी एक ब्राण्ड मिलेगा जो सही मायनों में इनोवेशन्स और प्रत्यास्थता का दूसरा नाम बन गया है: रेज़रपे। एक दशक पहले जयपुर के दो युवाओं, हर्षिल माथुर और शशांक कुमार ने ऐसी यात्रा की शुरूआत की, जिसने देश के कारोबारों के लिए ऑनलाईन पेमेंट स्वीकार करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया।

आज अपनी शुरूआत के एक दशक बाद रेज़रपे विश्वस्तरीय नाम बन चुका है जो लाखों कारोबारों को अपने फाइनैंशियल समाधानों के साथ सशक्त बना रहा है। लेकिन उनकी सफलता की कहानी सिर्फ आंकड़ों में ही नहीं सिमटी है: यह दृष्टिकोण, धैर्य और साझा सपनों की साझेदारी पर टिकी है।

यह आइडिया कैसे जन्मा

हर्षिल माथुर और शशांक कुमार दोनों जयपुर में पले-बढ़े। कुछ समय के लिए उनकी पढ़ाई के रास्ते अलग हो गए, हर्षिल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की, वहीं शशांक ने आईआईटी रूड़की से कम्प्यूटर साइंस की पढ़ाई की। एक छोटे शहर में पले-बढ़े होने के कारण उनमें कड़ी मेहनत, विनम्रता और समाज कल्याण के मूल्य विकसित हो चुके थे।

पोस्ट-ग्रेजुएशन के बाद वे फिर से एक दूसरे के साथ कनेक्ट हुए, वे जब भी मिलते, कुछ ऐसा करने के लिए बातचीत करते जो वास्तविक समस्याओं को हल कर सके। उन दोनों की इसी सोच ने ऐसा बीज बोया, जो आखिरकार रेज़रपे के रूप में विकसित हो गया।

'शशांक और मेरे-हम दोनों के माता-पिता बैंक में काम करते थे; मेरे पिता ब्रांच मैनेजर थे। आप कह सकते हैं कि उन्हें देखते हुए हम शुरूआत में फाइनैंशियल दुनिया के संपर्क में आ गए थे। लेकिन हमारे परिवार में कोई भी बिज़नेस नहीं करता था।' हर्षिल ने कहा। 2014 में रेज़रपे का आइडिया उभरा, जब भारत में कोई सशक्त ऑनलाईन पेमेंट सिस्टम नहीं था, खासतौर पर स्टार्ट-अप्स और एसएमई के लिए।

'शुरूआत में सोशल क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म बनाने में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उस समय पेमेंट लेना मुश्किल होता था। हमने इस समस्या को गहराई से समझने की कोशिश की। सबसे पहली चुनौती थी बैंक से अप्रूवल लेना। मुझे याद है जब मैं जयपुर बैंक गया और कहा ''मैं एक पेमेंट गेटवे शुरू करना चाहता हूं' तब मेरी बात सुनकर सामने वाला कन्फ्यूज़ ने न सिर्फ उनके आइडिया को पसंद किया बल्कि उन्हें शुरूआती फंडिंग और मेंटरशिप भी प्रदान की, जिसकी रेज़रपे को ज़रूरत थी।

'सब कुछ बहुत जल्दी हो गया। वाय कॉम्बीनेटर के साथ इंटरव्यू के बाद हमे लगा कि हम अपना इंप्रैशन बनाने में कुछ खास कामयाब नहीं रहे, और हमने उनसे ज़्यादा उम्मीद भी नहीं की थी। लेकिन उसी शाम हमें फोन आया- हमें चुन लिया गया था। उस पल ने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। वाय कॉम्बीनेटर ने हमें एक्सपोज़र दिया और एक विश्वविख्यात ब्राण्ड के साथ जोड़ा। पॉल ग्राहम, जेसिका लिविंगस्टन और सैम ऑल्टमैन से मिलने के बाद हमारी सोच को नई गति मिली और रेज़रपे की यात्रा को नया आयाम मिला।' शशांक कुमार ने कहा।

शुरूआती दिनों में रेज़रपे के लिए प्रतिभाशाली लोगों को अपने साथ जोड़ना मुश्किल था, क्योंकि बहुत से लोग एक अनजान स्टार्ट-अप के साथ काम करने में हिचकते थे। लेकिन हर्षिल और शशांक ने अपने जैसी सोच वाले लोगों को अपने साथ जोड़ा, जो उनके मिशन में भरोसा करते थे।

विकास की यात्रा

पिछले दशक के दौरान रेज़रपे तेज़ी से विकसित हुआ और फिनटेक उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। आज रेज़रपे 5 मिलियन से अधिक कारोबारों को सशक्त बना चुका है और पिछले 10 सालों में देश भर में 300 मिलियन से अधिक अंतिम उपभोक्ताओं के साथ जुड़ चुका है।

कंपनी ने 180 बिलियन डॉलर का सालाना टीपीवी (टोटल पेमेंट वॉल्युम) हासिल कर लिया है और अपने आप को डिजिटल पेमेंट प्रोसेसिंग, इनोवेशन एवं विकास में मार्केट लीडर के रूप में स्थापित कर लिया है। रेज़रपे आज भारत के 100 यूनिकॉर्न्स में से 80 के लिए पेमेंट सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

सिंगल-प्रोडक्ट पेमेंट गेटवे के रूप में शुरूआत करने के बाद आज रेज़रपे मल्टी-प्रोडक्ट कंपनी के रूप में विकसित हो चुका है और भारत के विश्वस्तरीय फिनटेक स्पेस में पेमेंट के कलेक्शन और मुवमेन्ट से जुड़े हर पहलू को आसान बना रहा है।

भारत में 1.4 बिलियन लोग रहते हैं। तकरीबन 250 मिलियन लोग डिजिटल लेनदेन करते हैं। इनमें से तकरीबन सभी ने कभी न कभी रेज़रपे का अनुभव प्राप्त किया है। रेज़रपे की सफलता हर्षिल और शशांक के बीच की साझेदारी का परिणाम है। हर्षिल का दृष्टिकोण और शशांक की टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता- इन दोनों ने मिलकर ऐसे लीडरशिप मॉडल का निर्माण किया है जो उनकी पूरी टीम को प्रेरित करता है।

छोटे शहर के मूल्यों की भूमिका

हर्षिल और शशांक खासतौर पर अपने निवेशकों के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने उस समय पर भरोसा किया, जब यह सिर्फ एक आइडिया था। उनके परिवार उनकी ताकत का आधार रहे हैं, जिन्होंने हर समय उनका साथ दिया। उनका मानना है कि रेज़रपे की सफलता उन दोनों की जीत है, इस जीत में उन सभी लोगों का हाथ है जिन्होंने उन पर भरोसा किया, उन्हें सहयोग दिया और हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे।

रेज़रपे और भारत के लिए दृष्टिकोण

रेज़रपे अपनी 10वीं सालगिरह का जश्न मना रहा है। वे दुनिया भर में विस्तार करना चाहते हैं और भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हुए अपने आधुनिक समाधान को इंटरनेशनल मार्केट्स तक पहुंचाना चाहते हैं। रेज़रपे की कहानी दो संस्थापकों की कहानी है जिन्होंने एक साथ मिलकर सफल कंपनी का निर्माण किया; यह उन बड़े सपनों और उन्हें साहस के साथ साकार करनेकी प्रेरक कहानी भी है।

अदाणी समूह बिहार में करेगा भारी निवेश, 53 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी (Gautam Adani) के अदाणी ग्रुप ने बिहार में 27,900 करोड़ रुपये के निवेश का एलान किया है। इससे लगभग 53,500 लोगों के लिए रोजगार के मौके पैदा होंगे। अदाणी ग्रुप यह निवेश थर्मल पावर, स्मार्ट मीटर, सीमेंट, लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्री-लॉजिस्टिक्स समेत अलग-अलग सेक्टर में करेगा।

इस बात का एलान अदाणी एंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर (एग्रो, ऑयल एंड गैस) और डायरेक्टर प्रणव अदाणी ने शुक्रवार (20 दिसंबर) को 'बिहार बिजनेस कनेक्ट इन्वेस्टर समिट 2024' में किया। उन्होंने इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री के काम और विजन की तारीफ भी की। आइए जानते हैं कि अदाणी ग्रुप बिहार में किस तरह से निवेश करेगा।

तीन सेक्टर में 2,300 करोड़ रुपये का निवेश

अदाणी ग्रुप लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्री-लॉजिस्टिक्स सेक्टर्स में कुल 2,300 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट करेगा। इससे 27,000 अतिरिक्त डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार के मौके भी पैदा होंगे। अडाणी ग्रुप का कहना है कि वह पहले इन सेक्टर में 850 करोड़ रुपये कर चुका है। इससे 25,000 लोगों को रोजगार मिला है।

स्ट्रैटेजिक इन्फ्रा में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश

अदाणी ग्रुप गति शक्ति रेलवे टर्मिनल्स, ICDs (इनलैंड कंटेनर डिपो) और इंडस्ट्रियल वेयरहाउसिंग पार्क्स समेत राज्य में स्ट्रैटेजिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे भी बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होने का अनुमान है।

स्मार्ट मीटर्स के लिए 2,100 करोड़ रुपये

अरबपति गौतम अदाणी की अगुआई वाला ग्रुप सीवान, गोपालगंज, वैशाली, सारण और समस्तीपुर समेत पांच शहरों में बिजली खपत की निगरानी को ऑटोमेट करने की दिशा में काम करेगा। अदाणी ग्रुप 28 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटर बनाने और उन्हें इंस्टॉल करने के लिए 2,100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे 4,000 से अधिक लोगों को नौकरियां मिलेंगी।

सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी बड़ा निवेश

अदाणी ग्रुप बिहार के वारिसलीगंज में कई फेज में 10 MMTPA की सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी स्थापित करेगा। इसके लिए 2,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे 9,000 डायरेक्ट और इनडायरेक्ट नौकरियां मिलेंगी। इस ग्रीनफील्ड सीमेंट प्रोजेक्ट की नींव जुलाई 2024 में रखी गई थी।

एनर्जी सेक्टर में पैदा होंगी 1,500 स्किल्ड जॉब

अदाणी ग्रुप बिहार में एक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट सेट-अप करने के लिए भी करीब 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इस प्लांट से कम से कम 12,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके ऑपरेशनल फेज के दौरान लगभग 1,500 स्किल्ड जॉब्स मिलेंगी।

क्या केंद्र और राज्यों के बीच सही तालमेल से नहीं हो रहा काम, भारतीय रिजर्व बैंक ने क्यों जताई चिंता?

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई का कहना है कि केंद्र की कई योजनाएं ऐसी हैं जिनकी वजह से राज्यों सरकारें अपना पैसा अपने हिसाब से नहीं खर्च कर पाती हैं। यह Cooperative federalism की भावना के खिलाफ है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक अगर केंद्र पोषित स्कीमों का ठीक तरीके से समायोजन किया जाए तो राज्यों को बजट में खर्च करने की ज्यादा आजादी होगी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की बड़ी-बड़ी वित्तीय योजनाएं सहकारी संघवाद (Cooperative federalism) की भावना के खिलाफ है क्योंकि इससे राज्यों की खर्च करने की आजादी पर असर पड़ता है। यह बात आरबीआई ने राज्यों के बजट पर जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट में कही है। केंद्रीय बैंक ने राज्यों की वित्तीय स्थिति में सुधार की बात कही है, लेकिन उसने पहली बार केंद्र पोषित आर्थिक योजनाओं के दूरगामी वित्तीय दुष्परिणामों पर बात की है।

आरबीआई ने सीधे तौर पर यह भी कहा है कि केंद्र पोषित योजनाओं के समायोजन करने से सिर्फ राज्यों पर ही नहीं बल्कि केंद्र पर भी वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई की इस रिपोर्ट ने एक ऐसे मुद्दे को छेड़ दिया है जिसे महसूस तो कई राज्य करते हैं लेकिन अभी तक कोई स्पष्ट तौर पर बोलता नहीं है।

इस समय केंद्र पोषित स्कीमों (सीएसएस) की संख्या 75 है जबकि वर्ष 2016 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों की एक उप-समूह की सिफारिशों के आधार पर 28 स्कीमों की मंजूरी दी थी। तब उप-समूह ने सीसीएस की संख्या किसी भी सूरत में 30 से ज्यादा नहीं होने की बात कही थी।

क्या कहती है आरबीआई की रिपोर्ट?

आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, "केंद्र सरकार की बहुत सारी स्कीमों से राज्य सरकारों की खर्च करने का लचीलापन प्रभावित होता है और सहकारी संघवाद की भावना का क्षरण होता है। अगर केंद्र पोषित स्कीमों (सीएसएस) का ठीक तरीके से समायोजन किया जाए तो राज्यों को बजट में खर्च करने की ज्यादा आजादी होगी जिसका इस्तेमाल वह अपने राज्यों की विशेष जरूरतों के हिसाब से कर सकते हैं। इससे राज्यों और केंद्र दोनों पर वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी।"

केंद्रीय बैंक ने उक्त बात राज्यों के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर करने और उनके कर्ज लेने की आवश्यकताओं के आकलन को ज्यादा पारदर्शी बनाने के संदर्भ में कही है। आरबीआई की तरफ से इस तरह की परोक्ष चेतावनी देने को अप्रत्याशित माना जा रहा है। इस टिप्पणी के बाद अब 16वें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार करना होगा। अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले 16वें वेतन आयोग की रिपोर्ट अक्टूबर, 2025 तक आएगी।

RBI को क्यों पड़ी सवाल उठाने की जरूरत?

वर्ष 2024-25 के बजट प्रपत्रों में केंद्र पोषित स्कीमों की संख्या 75 दिखाई गई है। इनका बजटीय आकार 5,06,978.07 करोड़ रुपये रखा गया है। जबकि वर्ष 2022-23 मे इन स्कीमों का आकार 4,35,556.32 करोड़ रुपये का रहा था। कुल बजटीय आकार का 10 फीसद से ज्यादा का राशि सरकार इन स्कीमों के मदद के जरिए ही कर रही है।

यह एक बड़ा कारण है कि आरबीआई को इन पर सवाल उठाने की जरूरत पड़ी है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के उप समूह का गठन किया था कि सीएसएस में किस तरह से ज्यादा उपयोगी बनाया जाए। इस रिपोर्ट को सरकार ने मंजूरी भी दी थी।

'डीएनडी फ्लाईवे पर अब नहीं वसूल सकते टोल', सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धड़ाम हुए इस कंपनी के शेयर

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने DND Flyway पर टोल लगाने की याचिका खारिज कर दी है। इसका मतलब है कि अब DND के जरिए आने-जाने वालों को टोल नहीं देना पड़ेगा। यह फैसला फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका पर आया है। इस फैसले का असर नोएडा टोल ब्रिज (noida toll bridge share price) के शेयरों पर भी दिख रहा है जो इस Flyway का मैनेजमेंट करती है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (20 दिसंबर) को एक अहम फैसले में कहा कि डीएनडी फ्लाईवे (DND Flyway) पर गाड़ियों से टोल टैक्स नहीं वसूला जा सकता है। यह फ्लाइवे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा को जोड़ता है। इसका मैनेजमेंट नोएडा टोल ब्रिज कंपनी करती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नोएडा टोल ब्रिज (noida toll bridge share price) के शेयरों में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह गिरकर 18.52 रुपये के स्तर पर आ गया। नोएडा टोल ब्रिज की प्रमोटर ILFS है। उसकी कंपनी में करीब 26.37 फीसदी हिस्सेदारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अब डीएनडी फ्लाईवे पर टोल टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा, 'नोएडा टोल ब्रिज पहले ही प्रोजेक्ट के साथ रखरखाव की भी पूरी लागत वसूल चुका है। उसने अच्छा मुनाफा भी कमा लिया है। इसलिए अब डीएनडी फ्लाईवे पर आगे टोल लगाने का कोई मामला नहीं बनता है।' अदालत ने यह भी कहा कि जनता को करोड़ों रुपये देने के लिए मजबूर किया है, जो उसके साथ धोखाधड़ी है।

नोएडा अथॉरिटी को लगाई कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोजेक्ट की लागत निकालने वाले फॉर्मूले की भी आलोचना की है। अदालत का कहना है कि इस हमेशा के लिए टोल वसूलने वाले अंदाज में तैयार किया गया है, जो संविधान के हिसाब से सही नहीं है। उसने नोएडा अथॉरिटी को भी फटकार लगाई, जो नोएडा टोल ब्रिज का चयन करने से पहले दूसरी कंपनियों से प्रतिस्पर्धी बोलियां मंगाने में नाकाम रही।

... तो 100 साल तक टोल वसूलना भी काफी नहीं होगा

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी साल 2016 में अपने फैसले में कहा था कि अब डीएनडी फ्लाईवे से गुजरने वाली गाड़ियों से टोल नहीं वसूला जा सकता है। हाई कोर्ट ने भी प्रोजेक्ट की लागत निकालने वाले फॉर्मूले की आलोचना की थी। हाई कोर्ट का कहना था कि इस हिसाब से तो लागत वसूलने के लिए 100 साल तक टोल वसूलना भी काफी नहीं होगा।

नोएडा टोल ब्रिज के शेयरों का हाल

नोएडा टोल ब्रिज के शेयरों में पिछले कुछ समय से काफी अच्छी तेजी देखी जा रही थी। इसने एक महीने में 25 फीसदी और 6 महीने में 45 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते एक साल में नोएडा टोल ब्रिज के शेयरधारकों को 71 फीसदी का मुनाफा हुआ है। इसका मार्केट कैप 345 करोड़ है। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला काफी बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसका असर आने वाले समय में कंपनी के शेयरों पर नजर आ सकता है।

अपने खास दिन को दें इंश योरेंस की सुरक्षा, जानें क्यों जरूरी है ये बीमा

परिवहन विशेष न्यूज

अब शादी को भी इंश्योरेंस मिलता है। इस इंश्योरेंस में आप अपनी शादी के दिन किसी भी दुर्घटना को कवर कर सकते हैं। यह इंश्योरेंस शादी के दिन को सिक्योर करने के लिए शुरू किया गया है। वेडिंग मार्केट में आई तेजी के बाद अब इस इंश्योरेंस में भी वृद्धि देखने को मिली है। आइए आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में शादी एक त्योहार के रूप में मनाई जाती है। लोग इस दिन को खास बनाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं। शादी को शानदार बनाने के लिए कई लोग वेडिंग प्लानर को हायर करते हैं। वेडिंग प्लानर शादी के सारे इंतजाम कर देते हैं। वह शादी के फंक्शन से लेकर टॉप लेवल का खाना-पीना, महंगे उपहार आदि का इंतजाम कर देते हैं।

हाल ही में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने शादी को लेकर हैरान करने वाला आंकड़ा पेश किया है। इन आंकड़ों के अनुसार इस साल शादियों से करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ है। वित्तीय एक्सपर्ट का मानना है कि शादी केवल एक समारोह नहीं है बल्कि ये उभरते उद्योग के साथ भारी भरकम महत्वपूर्ण निवेश को भी दर्शाती हैं। ग्लोबल वेडिंग सर्विसेज मार्केट वर्ष 2020 में 160.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। ऐसे में साल 2030 तक यह मार्केट 414.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। ये अनुमान साफ बता रहे हैं कि शादी अब एक बड़ा बिजनेस बन गया है।

वेडिंग इंश्योरेंस क्या है?

आज बाजार में कई तरह के इंश्योरेंस मौजूद हैं। इन इंश्योरेंस में से एक वेडिंग इंश्योरेंस भी है। इस इंश्योरेंस में आप अपनी शादी को सिक्योर कर सकते हैं। शादी में अप्रत्याशित अनिश्चितताओं से बचाने के लिए कई लोग वेडिंग इंश्योरेंस करवाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर शादी के समारोह में कोई दुर्घटना हो जाए या फिर मौके से वेंडर के गायब हो जाने पर यह इंश्योरेंस बड़ा काम आता है।

वेडिंग इंश्योरेंस का प्रीमियम समारोह के आकार और सर्विस पर निर्भर करता है। अगर शादी की ज्यादा सर्विस को कवर किया जाता है तब प्रीमियम भी ज्यादा लगता है।

इन स्थितियों में नहीं मिलेगा लाभ

वेडिंग इंश्योरेंस के दायरे में सब कुछ कवर नहीं किया जाता है। अगर शादी को लेकर अचानक माइंड चेंज, बजट ज्यादा होना और अन्य कोई पर्सनल फैसले को बाहर रखा जाता है। ऐसे में इंश्योरेंस ससे पहले नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है कि किन परिस्थितियों में बीमा कंपनियां लाभ देने से इनकार कर सकती हैं।

वेडिंग इंश्योरेंस का मूल्य उस खास दिन को सुरक्षित रखने के बारे में है जो एक साथ जीवन भर की शुरुआत का प्रतीक है।

जयपुर हादसा: 12 लोग जिंदा जले, हवा में उड़ रहे पक्षी भी नहीं बचे; युवक के चेहरे पर चिपक गया हेलमेट

जयपुर में शुक्रवार सुबह जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा इलाके में एलपीजी गैस से भरे टैंकर के यू टर्न लेने के दौरान पीछे से आ रहे ट्रक की टक्कर से धमाका हो गया। सुबह लगभग छह बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के निकट हुए हादसे में जिंदा जलने से सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोगों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार सुबह जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा इलाके में एलपीजी गैस से भरे टैंकर के यू टर्न लेने के दौरान पीछे से आ रहे ट्रक की टक्कर से धमाका हो गया। सुबह लगभग छह बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के निकट हुए हादसे में जिंदा जलने से सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोगों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। लगभग तीन दर्जन लोग झुलसे हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर है। इनमें से एक की देर रात मौत हो गई। हादसे में कुल 12 लोगों की मौत हो गई।

बस के 20 यात्री भी झुलसे हैं

टैंकर से उठी आग इतनी भयंकर थी कि राजमार्ग से गुजर रहे और आसपास खड़े 40 से अधिक वाहन जलकर राख हो गए। उदयपुर से जयपुर जा रही निजी स्लीपर बस भी जल गई। बस में 34 यात्री थे, जिसमें 20 झुलस गए। बस टैंकर के पीछे ही चल रही थी। आग बुझने के बाद तीन लोगों के शव को घटनास्थल से अस्पताल पहुंचाया गया। बस के चालक और परिचालक लापता हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख

टैंकर से गैस के रिसाव के बाद लगभग 200 फुट ऊंची लपटों से कई पक्षी भी झुलस गए। घटना पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री भजनलाल ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए हादसे में मृतक के स्वजन को दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

पांच लाख मुआवजे का एलान

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर पहले अस्पताल फिर घटनास्थल पहुंचे। चिकित्सा मंत्री ने बताया कि हादसे में चार दर्जन से अधिक लोग झुलसे थे, जिनमें से 11 की मौत हो गई। 35 घायलों में से 26 की पहचान हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सीएम भजनलाल से बात कर हालात की जानकारी ली। राज्य सरकार ने मृतकों के स्वजन को पांच-पांच लाख और घायलों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है।

हवा में फैली 18 टन गैस

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ ने बताया कि टक्कर के बाद गैस से भरे टैंकर में नीचे की तरफ जो सुरक्षा वाल्व और नोजल लगे थे, वो टूट गए। टैंकर के नोजल से करीब 18 टन गैस हवा में फैल गई। घटनास्थल से आधा किलोमीटर दूर तक का इलाका गैस चैंबर बन गया।

कई वाहन आपस में भिड़े

नोजल से ट्रक की टक्कर के कारण स्पार्किंग हुई और आग लगी, फिर एक-एक कर कई वाहन चपेट में आ गए। आग लगने से जयपुर और अजमेर राजमार्ग पर दोनों तरफ से तेजी से दौड़ रहे वाहन आपस में भिड़ गए, कुछ वाहन पलट गए। आपस में टकराने वाले वाहनों में एक ट्रक में गैस के सिलेंडर भरे थे, गनीमत रही वे नीचे नहीं गिरे।

माचिस का ट्रक भी भिड़ा

एक ट्रक में कपड़े भरे हुए थे, जो फैल गए, उनमें भी आग लग गई। एक ट्रक में माचिस भरी हुई थी, ट्रक पलटा तो माचिस के बड़े कार्टून सड़क पर फैल गए, इनसे भी आग फैली। घटना के बाद दो किलोमीटर तक इलाके में रहने वालों को घरों में ही रहने के लिए कहा गया। आसपास के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिए गए।

चेहरे पर चिपक गया हेलमेट

घटनास्थल के एक किलोमीटर क्षेत्र में रह रहे लोगों को कुछ घंटों के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आग की वजह से एक बाइक सवार का हेलमेट उसके चेहरे से चिपक गया। उसकी आंख जल गई। उसका गंभीर स्थिति में उपचार किया जा रहा है।

नोजल से निकली गैस ने पकड़ी आग

गेल इंडिया कंपनी के उप प्रबंधक सुशांत सिंह ने बताया कि टक्कर के कारण टैंकर में लगे पांच नोजल टूटकर गिर गए और गैस चारों तरफ फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि टैंकर के नोजल से निकली गैस ने आग पकड़ी। हवा में तेजी से फैली गैस ने हादसे को भयावह कर दिया। बस का नहीं था परमिट हादसे में जो निजी ट्रैवल कंपनी की स्लीपर बस जलकर खाक हुई वह बिना परमिट ही दौड़ रही थी। बस का परमिट पिछले साल अगस्त में ही खत्म हो गया था।

बस के एक यात्री ने बताया कि हादसे के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कई लोग तो कपड़े उतारकर आग से बचने के लिए भाग रहे थे।

बिछिया से हुई महिला पुलिसकर्मी के शव की पहचान

हादसे में महिला पुलिस कांस्टेबल अनीता मीणा की मौत हो गई। अनीता ड्यूटी पर जाने के लिए निकली थी, एक निजी वाहन में आग लगने से उनकी मौत हो गई। अनीता की पहचान पैर में लगी नेल पॉलिश और बिछिया से हुई। 28 साल की अनीता के दस साल की बेटी और सात साल का बेटा है।

भारतीय प्रवासी सम्मेलन के लिए निकासी: कारोबारी चिंतित, 2 हजार परिवार शोक में

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर: 18वां अप्रवासी भारतीय सम्मेलन 8 से 10 जनवरी तक भुवनेश्वर में होगा। इसके लिए राजधानी की 56 सड़कों से जेबकतरों को बाहर निकालने के लिए बीएमसी और बीडीए के संयुक्त दस्ते को लगाया गया है। पिछले 7 दिनों में 67 वार्डों से 2,000 से ज्यादा दुकानदारों को हटाया गया है।अगर ऐसे ही बेदखली जारी रही तो 10 हजार से अधिक दुकानदारों की आजीविका डूब जायेगी। विस्थापित क्षेत्रों में स्थानीय विधायक दुकानदारों की शिकायतों का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। इसके बावजूद आरोप है कि बीएमसी अधिकारी सुन नहीं रहे हैं। इसलिए अगर बेदखली को पूरी तरह नहीं रोका गया तो निखिल उत्कल स्मॉल ट्रेडर्स एंड वेंडिंग जोन फेडरेशन ने बड़े पैमाने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। महासंघ का आरोप है कि जब भी राजधानी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन होता है तो दुकानदारों को इस तरह की अमानवीय यातनाएं दी जाती हैं। पिछले साल हॉकी वर्ल्ड कप के लिए 5,000 दुकानदारों को बेदखल कर दिया गया था। बाद में, बीएमसी और बीडीए अधिकारियों ने उन दुकानदारों को मोटे दस्ताने प्रदान किए और उन्हें निर्धारित स्थान पर व्यापार करने की अनुमति दी। जहां दुकानदारों का शोषण हो रहा है वहीं अधिकारी अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। महासंघ ने पूछा है कि बीएमसी और बीडीए इस पर कब गौर करेंगे। यदि जेबतराशी समस्या है तो सरकार इन व्यापारियों के लिए स्थायी दुकानें बनाने के लिए कदम क्यों नहीं उठा रही है ?अगर दुकानदारों पर इस तरह का अत्याचार किया गया तो महासंघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में वे बच्चे को पकड़कर सड़क पर बैठेंगे।

जानकारी के मुताबिक, पिछले 7 दिनों में वार्ड नंबर 1, 2 और 3 से करीब 300 दुकानें खाली कराई गई हैं। इसी तरह, चंद्रशेखरपुर जेवियर स्ट्रीट में 70 दुकानें, किंगिंग स्टूडियो स्ट्रीट में 150 दुकानें, मास्टरकैंटीन स्ट्रीट में 100 दुकानें, गोपबंधु स्ट्रीट में 50 दुकानें और लिंगराज मंदिर क्षेत्र में 100 से अधिक दुकानें बंद हो गई हैं।

ट्रक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर / अंगुल :ड्यूटी पर जाते समय ट्रक ने दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसा अंगोल टाउन पुलिस स्टेशन के प्रशांति होटल स्ट्रीट के पास हुआ। मृतक की पहचान विक्रम बीर गोपी के रूप में की गई। उनका घर जगतसिंहपुर जिले में है। घायलों में से एक करण वीर गोपी भी थे।गंभीर हालत में उसे बचाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह विक्रम और वीर बाइक से एक निजी कंपनी में ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। दो लोग जमीन पर गिर पड़े. ट्रक दोनों को कुचलते हुए निकल गया। विक्रम की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वीर घायल हो गया। वीर को बचा लिया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद घटनास्थल पर तनाव फैल गया। मृतकों ने सड़क जाम कर दिया। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खूबसूरत महिलाओं को निशाना बना रहा नया साइबर ठग गिरोह: सोशल मीडिया पर बरतें सावधानी

इशिका मुख्य रिपोर्टर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक नया साइबर अपराधी गिरोह सक्रिय हो गया है, जो विशेष रूप से सुंदर महिलाओं और लड़कियों को अपना शिकार बना रहा है। ये ठग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेषकर फेसबुक, पर सक्रिय हैं और मेकअप प्रेमी महिलाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं।

घटना का विवरण:

हापुड़ जिले की एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि अप्रैल 2024 में उसने अपने फेसबुक अकाउंट पर कॉस्मेटिक उत्पादों का एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन के माध्यम से संपर्क करने पर, उसे एक संदेश प्राप्त हुआ जिसमें कॉस्मेटिक सामान खरीदने के लिए उसके चेहरे की तस्वीर मांगी गई। संदेश भेजने वाले ने दावा किया कि वे चेहरे की विशेषताओं के आधार पर ही अपने उत्पाद बेचते हैं।

महिला ने उनकी बातों में आकर अपनी तस्वीर भेज दी। इसके बाद, ठगों ने उसकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर अश्लील तस्वीरें बनाई और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। ब्लैकमेलिंग के चलते, पीड़िता से अब तक 10 लाख रुपये की ठगी की जा चुकी है। महिला ने पिलखुवा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस की प्रतिक्रिया:

पिलखुवा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर गाजियाबाद के एक नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सावधान रहें:

इस घटना के मद्देनजर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की महिलाओं से अपील है कि वे सोशल मीडिया पर अज्ञात व्यक्तियों से संपर्क करते समय विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी या तस्वीरें साझा न करें। यदि किसी संदिग्ध गतिविधि का सामना करें, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

साइबर अपराधियों के ऐसे गिरोह समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रहे हैं। पुलिस और साइबर सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर इन अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि निर्दोष लोग इनके शिकार न बनें।

साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता और सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

विशेष : हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति

"हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, अहिराणा शब्द से हुई है हरियाणा की व्युत्पत्ति : डॉ. रामनिवास 'मानव'"

हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति के संबंध में विविध थ्योरियाँ है। हरियाणा एक प्राचीन नाम है। वैदिक युग में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यवर्त और ब्रह्मोपदेश के नाम से जाना जाता था। ये सभी नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्मा के उपदेशों पर आधारित हैं और इनका सामान्य अर्थ है- 'आर्यों का आवास और वैदिक संस्कृति और संस्कारों के उपदेशों का क्षेत्र'। कई विद्वान, सीधे ऋग्वेद से इसका संबंध जोड़ते हुए, कहते हैं कि हरियाणा शब्द का तब राजा के विशेषण के रूप में प्रयोग किया जाता था। उनकी मान्यता है कि राजा वासु ने इस क्षेत्र पर लंबे समय तक शासन किया और इसी कारण, इस क्षेत्र को उनके बाद, हरियाणा के नाम से जाना जाने लगा। मगर देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' का कहना है कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और ग्रामाणिक है। आइये, इस संबंध में विस्तार से जानते हैं उनके तर्क और विचार।

-- डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा वैदिक कालीन शब्द है। इसका सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है-"ऋजुभुक्षस्याने रजतं हरियाणे। रथं युक्तं असनाम सुषामणि।" (8: 25: 22) यहाँ प्रयुक्त हरियाणे शब्द के कष्टों को सहने वाला, हरणशील, हरि का यान आदि अनेक अर्थ हो सकते हैं, किंतु इससे प्रदेश-विशेष के नाम का स्पष्ट बोध नहीं होता। यह करना है, सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' का। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति मुख्यतः हरयान अथवा हरि यान शब्द से मानी जाती है। इसीलिए इसे अंग्रेज़ी में हरयाणा तथा हिंदी में हरियाणा लिखा जाता है। किंतु मेरे मतानुसार यह थ्योरी गलत है। हर (शिव) और हरि (विष्णु) के इस क्षेत्र में यान द्वारा विचरण करने का सटीक उल्लेख नहीं मिलता। फिर यान के विचरण करने से किसी क्षेत्र के नामकरण की बात भी गले नहीं उतरती। हरियाणा के नामकरण संबंधी अन्य मतों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि हरियानक, हरितारण्यक, हरिताणक, आर्यायन, दक्षिणायन, उक्षणायन, हरिधान्यक, हरिबांका आदि शब्दों से हरियाणा की व्युत्पत्ति संबंधी अन्य थ्योरियाँ भी अविश्वसनीय, बल्कि कुछ तो हास्यास्पद लगती हैं। डॉ. बुद्धप्रकाश और प्राणनाथ चोपड़ा ने हरियाणा की व्युत्पत्ति अभिरायण शब्द से मानी है, किंतु इसे भी आंशिक रूप से ही सही माना जा सकता है।

डॉ. 'मानव' ने कहा कि मेरी सुचिंतित और सुनिश्चित मान्यता है कि हरियाणा की व्युत्पत्ति अहिराणा शब्द से हुई है। पशुपालन और कृषि का व्यवसाय करने वाले यदुवंशियों को अभिर या आभीर कहा जाता था, कालांतर में, जिसका तद्भव रूप अहीर हो गया। अहीर बहादुर योद्धा माने जाते थे, जिनके अस्तित्व के प्रमाण ईसा से छह हजार वर्ष पूर्व भी मिलते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि किसी समय अहीर जाति हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से लेकर गुजरात और महाराष्ट्र तक फैली हुई थी। किंतु वर्तमान हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उसका पूरा आधिपत्य और संपूर्ण वर्चस्व रहा। अहीरों का बाहुल्य होने के कारण ही इस क्षेत्र को अहिराणा कहा जाने लगा। (जैसे राजपूतों के कारण राजपुताना, मराठों के कारण मराठवाड़ा और भीलों के कारण भीलवाड़ा कहा जाता है।) बाद में, हरियाणवी बोली की उदासीन अक्षरों के लोप की प्रकृति के चलते, अरवाड़ा-रवाड़ा, अहीर-हीर, उतारणा-तारणा, उठाणा-ठाणा और स्थाण-ठाण की तर्ज पर, अहिराणा से हिराणा और फिर हरयाणा या हरियाणा हो गया। अहिराणा शब्द का अर्थ है-'अहीरों का क्षेत्र'। इसे अहीरवाल का पर्यायवाची माना जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य का उल्लेख करते हुए डॉ. 'मानव' ने कहा कि इससे भी मेरे मत की पुष्टि होती है। आज भी महाराष्ट्र के खानदेश, जिसे कभी हीरदेश भी कहा जाता था और जिसमें महाराष्ट्र के मालेगांव, नंदुरबार और धुले जिलों के अतिरिक्त नासिक जिले के धरनी, कलवण, सटाणा और बागलान तथा औरंगाबाद जिले के देवला क्षेत्र, गुजरात के सूरत और व्यारा तथा मध्यप्रदेश के अंबा और वरला क्षेत्र शामिल हैं, जहाँ आज भी अहिराणी बोली, बोली जाती है। देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली और बीस-बाईस लाख लोगों द्वारा बोली जाने वाली अहिराणी का अर्थ है 'अहीरों की बोली'। इससे स्पष्ट है कि अहिराणा और अहिराणी में सीधा संबंध और पूरी समानता है।

अंत में, निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए, डॉ. 'मानव' ने कहा कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और ग्रामाणिक है।

स्कूल के शोरगुल पर बहस: फ़रीदाबाद में रहने वालों का स्कूल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन

परिवहन विशेष न्यूज

फ़रीदाबाद में स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान तेज़ आवाज़ वाले स्पीकर्स के उपयोग और रिहर्सल के समय बढ़ते शोरगुल को लेकर विवाद छिड़ गया है। स्कूलों के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि कार्यक्रमों के दौरान अत्यधिक शोर न केवल उनकी दिनचर्या को बाधित करता है बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है।

प्रदर्शन और आरोप

नागरिकों ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के दौरान पड़ोसियों की समस्याओं को नज़रअंदाज करता है।

रिहर्सल और कार्यक्रम के समय खुले लाउडस्पीकर्स का उपयोग आसपास रहने वालों के लिए असहनीय हो जाता है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्कूल प्रबंधन कोई कदम नहीं उठाता।

स्थानीय निवासियों की आपत्ति

एक निवासी ने कहा, ₹सुबह से देर शाम तक लाउडस्पीकर चलते रहते हैं। इससे न केवल बच्चे पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पाते, बल्कि बुजुर्गों और बीमार लोगों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है।"

एक अन्य निवासी ने कहा, "हम शांतिपूर्ण माहौल में रहने का अधिकार रखते हैं। स्कूल प्रबंधन को यह समझना चाहिए कि उनकी गतिविधियां दूसरों के जीवन को प्रभावित कर रही हैं।"

कानूनी पहलू

भारत में ध्वनि प्रदूषण (Noise Pollution) को नियंत्रित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और ध्वनि प्रदूषण (नियमन और

नियंत्रण) नियम, 2000 लागू हैं।

लाउडस्पीकर्स के नियम:

रिहायशी इलाकों में 10:00 बजे रात से 6:00 बजे सुबह तक लाउडस्पीकर्स का उपयोग प्रतिबंधित है।

ध्वनि स्तर की सीमा: रिहायशी इलाकों में ध्वनि का स्तर दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए।

दंड: नियमों का उल्लंघन करने पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना और 5 साल तक की सज़ा हो सकती है।

प्रशासन से उम्मीदें

निवासियों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि वे स्कूलों पर इस मुद्दे को लेकर कार्रवाई करें और सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो। स्कूलों को चाहिए कि वे अपनी गतिविधियों के लिए बंद हॉल या ध्वनि-रोधक स्थान का उपयोग करें ताकि अन्य लोग प्रभावित न हों।

स्कूलों का उद्देश्य शिक्षा और संस्कार देना है, लेकिन समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। शोरगुल और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण जरूरी है ताकि हर नागरिक शांतिपूर्ण जीवन जी सके। यह विवाद स्थानीय प्रशासन और स्कूल प्रबंधन के लिए एक चेतावनी है कि वे तुरंत आवश्यक कदम उठाएं।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 व महिला वर्ग के फाइनल कल

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद सीरवी फ्रेन्डस-क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के 7 वें संस्करण के सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले तथा महिला वर्ग के खेलों के कल रविवार 22 दिसम्बर को सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में आयोजित किया जाएगा। फ्रेन्डस-क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि समाज प्रीमियर लीग-7 का तथा इस प्रतियोगिता के साथ महिला वर्ग के खेल 22 दिसंबर को प्रातः 7.15 को मुख्य प्रायोजक *वंडर वॉल पुट्टी* की टीम तथा मुख्य अतिथियों के करकमलों द्वारा किया जायेगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता मे कुल 18 टीमें भाग लिया। जिसमें आईजी बिरमगुड़ा, करमनघाट, एल बी नगर, नागोल वेरिस, संगारेड्डी, शमशाबाद, मेडचल जिडिमिटला, कापरा किंग्स, रामनगर, ऑल विन 11, बालनगर सिकंदराबाद, आईजी फ्रेंड्स कलब, आईजी गुट्टा 11, हायतनगर, कुकटपल्ली, सैनिकपुरी, टी एम जी टाइटन्स इनमे से 4 टीमों के बिच सेमीफाइनल मुकाबले कल खेले जाएंगे।क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ साथ महिला वर्ग के खेल होंगे। महिला वर्ग के सभी खेल सीरवी क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद शामिरपेट में आयोजित हों रहे हैं। फाइनल मुकाबले के बाद प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया जायेगा। यह प्रतियोगिता सीरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद तेलंगाना द्वारा आयोजित की जा रही है। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। सभी मैचों का लाईव प्रसारण युट्युब चैनल पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सीरवी फ्रेन्डस-क्लब के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहेगा। सभी सीरवी बन्धुओं से निवेदन है इस प्रतियोगिता मे अपना तन-मन-धन से सहयोग करके प्रतियोगिता को सफल बनावे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट: सुपरटेक इकोविलेज 1 में नशे में धुत युवकों का उत्पात, तेज रफ्तार कार से तीन गाड़ियों को मारी टक्कर

इशिका मुख्य रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुपरटेक इकोविलेज 1 सोसाइटी में देर रात शराब के नशे में धुत कुछ युवकों ने तेज रफ्तार कार चलाते हुए टावर A4 के पास पार्किंग में खड़ी तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिससे दो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना के बाद सोसाइटी के निवासियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने हंगामा किया। यह घटना बिसरख कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

पिछली घटनाएं: यह पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। कुछ दिन पहले, नोएडा के सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी के पास तीन युवकों ने शराब के नशे में एक कार को जानबूझकर टक्कर मारी। जब पीड़ित चालक ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे धमकी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने अज्ञात कार सवारों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

सुरक्षा चिंताएं: इन घटनाओं से सोसाइटी के निवासियों में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं। नशे में वाहन चलाने की बढ़ती घटनाएं न केवल संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि लोगों की जान के लिए भी खतरा बन रही हैं।

पुलिस की कार्रवाई: पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। निवासियों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के प्रयास जारी हैं।

निवासियों की मांग: सोसाइटी के निवासियों ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने सोसाइटी में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, गार्ड्स की सतर्कता बढ़ाने और बाहरी व्यक्तियों की एंट्री पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में नशे में वाहन चलाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे निवासियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। पुलिस और सोसाइटी प्रबंधन को मिलकर ऐसे कदम उठाने होंगे, जिससे इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और निवासियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023